हिन्दी दैनिक

मेरी ज़ुबान

Epaper : merijuban.com

मेरी ज़ुबान
आपकी अवाज़

page 3 अंग्रेजों के समय के 138 कानून खत्म करेगी योगी सरकार?

page 5 हृदय को स्वस्थ रखने के लिए ये हैं दो सबसे आवश्यक पोषक तत्व

page 6 42 साल के हुए चेन्नई के कप्तान धोनी

वर्ष :01 अंक : 37 | लखीमरु खीरी, शनिवार 08 जुलाई 2023 | पृष्ठ 08 | मूल्य 5.00 रूपया- | ऑफर मूल्य 3.00 रूपया

पीएम ने रेलवे स्टेशन से वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

● प्रधानमंत्री गोरखपुर में शुक्रवार दोपहर करीब 2:10 बजे एयरपोर्ट पर पहुंचे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी अगवानी की। इसके बाद प्रधानमंत्री का काफिला गीता प्रेस के लिए रवाना हो गया।

गोरखपुर। वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी गोरखपुर जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 मिनट मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने सी वन कोच में अंदर जाकर अंदर बच्चों से वार्ता की। इसके बाद वह लोको पायलट केबिन में जाकर लोको पायलट से वार्ता की। गोरखपुर जंक्शन से मॉडल को देखने के बाद शिलान्यास किया। पहले जोधपुर अहमदाबाद वंदे भारत को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उसके बाद गोरखपुर लखनऊ जाने वाली वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद अभिवादन करते हुए 4.49 बजे लौट गए। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर पीएम मोदी पहुंचे गए हैं। वहां पहुंचेते ही उन्होंने लोको पायलट कोच से उतरकर जंक्शन का मॉडल देख रहे है। इसके बाद उन्होंने वंदे भारत में बच्चों से वार्ता की। मुख्यमंत्री योगी, शुक्रवार को गीता प्रेस में शताब्दी वर्ष के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह धरोहर हर घर की पहचान है। अब तक कोई प्रधानमंत्री यहां नहीं आया। पीएम बोले- भारत सफलता के नित नए आयाम छू रहा पीएम मोदी ने कहा कि संतों की सदस्यता कभी निष्फल नहीं होती। यही संकल्प का परिणाम है कि आज हमारा भारत सफलता के नित नए आयाम छू रहा है। अपना देश विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर चल रहा है। काशी और अयोध्या इसका सटीक उदाहरण हैं। गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार, 100 वर्षों के विरासत का सम्मान पीएम मोदी ने कहा कि गीता प्रेस विश्व का एकलौता प्रिंटिंग प्रेस है। जो एक संस्था नहीं है, जीवन आस्था है। गीताप्रेस किसी भी मंदिर से कम नहीं है।

चुनावी राज्यों के लिए भाजपा ने प्रभारियों का किया ऐलान

भूपेंद्र यादव को एमपी तो प्रह्लाद जोशी को राजस्थान की कमान

● राजस्थान की बात करें तो प्रह्लाद जोशी के अलावा गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल और हरियाणा के वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई को सह चुनाव प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में ओम प्रकाश माथुर पर भरोसा किया गया है और उन्हें चुनाव प्रभारी बनाया गया है जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया को सह चुनाव प्रभारी होंगे।

नई दिल्ली। इस साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी रणनीति बनाने में जुट गई है। इसी कड़ी में भाजपा ने चुनाव प्रभारियों के नाम का ऐलान कर दिया है। भाजपा का यह ऐलान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना को लेकर है। इन चारों ही राज्यों में साल के आखिर तक विधानसभा के चुनाव होने हैं। राजस्थान की बात करें तो यहां प्रह्लाद जोशी को कमान दी गई है। वही, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्थान की बात करें तो प्रह्लाद जोशी के अलावा गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल और हरियाणा के वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई को सह चुनाव प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में ओम प्रकाश माथुर पर भरोसा किया गया है और उन्हें चुनाव प्रभारी बनाया गया है जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया को सह चुनाव प्रभारी होंगे। मध्यप्रदेश में भूपेंद्र यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके साथ अश्विनी वैष्णव को सह चुनाव प्रभारी बनाया गया है। तेलंगाना के बात करें तो यहां प्रकाश जावड़ेकर प्रदेश चुनाव प्रभारी होंगे जबकि सुनील बंसल सह चुनावी प्रभावी होंगे।

अदालत ने बृजभूषण को 18 जुलाई को किया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को 18 जुलाई को तलब किया है। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मामले को आगे बढ़ाने के

लिए पर्याप्त सबूत हैं। आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) हरजीत सिंह जसपाल ने बृजभूषण को 18 जुलाई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ के निर्लंबित सहायक सचिव विनोद तोमर को भी तलब किया।

'राहुल की लड़ाई अहंकारी शासन के खिलाफ'

सच को दबाने के लिए हर हथकंडे आजमा रही है:प्रियंका

नई दिल्ली। गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा उनके भाई की याचिका खारिज किए जाने के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि राहुल गांधी एक ₹अहंकारी शासन₹ के खिलाफ सच्चाई और लोगों के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं, जो उनके द्वारा उठाए गए सवालों को दबाने के लिए सभी हथकंडे अपना रही है। आपराधिक मानहानि मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका को खारिज करते हुए, न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक ने कहा कि गांधी पहले से ही भारत भर में 10 आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांधी को उनके मोदी उपनाम टिप्पणी के लिए दो साल की जेल की सजा देने का निचली अदालत का आदेश ₹उचित,और कानूनी₹ था। हिंदी में एक लंबे ट्विटर पोस्ट में, प्रियंका गांधी ने रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता ₹समर शेष है...(लड़ाई अभी बाकी है) उद्धृत की और मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इस अहंकारी सत्ता के सामने सत्य और जनता के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। अहंकारी सत्ता चाहती है कि जनता के हितों के सवाल न उठें, अहंकारी सत्ता चाहती है कि देश के लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाने वाले सवाल न उठें, अहंकारी सत्ता चाहती है कि उनसे महंगाई पर सवाल न पूछे जाएं, युवाओं के रोजगार पर कोई बात न हो, किसानों की भलाई की आवाज न उठे, महिलाओं के हक की बात न हो, श्रमिकों के सम्मान के सवाल को न उठाया जाए।

छत्तीसगढ़ में पीएम की रैली के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत

● छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में शुक्रवार को एक बस के सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गयी। इस हादसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होने जा रहे दो बीजेपी कार्यकर्ताओं सहित तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस हादसे में बस ड्राइवर की भी मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गये।

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में शुक्रवार को एक बस के सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गयी। इस हादसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होने जा रहे दो बीजेपी कार्यकर्ताओं सहित तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस हादसे में बस ड्राइवर की भी मौत हो गई और कम से कम 12 लोग घायल हो गये। घटना शुक्रवार सुबह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुई। बस 47 भाजपा कार्यकर्ताओं को लेकर पीएम मोदी की रैली में शामिल होने के लिए अंबिकापुर से रायपुर जा रही थी। बस कोरबा जिले को पार कर बिलासपुर जिले के बेलतरा के पास पहुंची थी तभी सुबह 5 बजे सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। बताया जाता है कि बस चालक को नींद आ गई थी और वह वाहन से नियंत्रण खो बैठा। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जो बाद में मौके पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 47 बीजेपी कार्यकर्ता बस में सवार होकर अंबिकापुर से रायपुर जा रहे थे। कोरबा जिले को पार कर बिलासपुर जिले के बेलतरा में प्रवेश करने के बाद बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पीछे से टकरा गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. बारह लोगों को बचाया गया और गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह 5 बजे हुआ. भाजपा कार्यकर्ताओं को लेकर बस गुरुवार रात अंबिकापुर से निकली थी। बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने कहा, प्रारंभिक तौर पर ऐसा लगता है कि भारी बारिश के कारण ड्राइवर को सड़क पर खड़े ट्रक पर ध्यान नहीं गया. इसके बाद वह नियंत्रण खो बैठा और ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराया. टक्कर से बस का अगला हिस्सा अंदर की ओर झुक गया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हल्की बारिश हो रही थी। सड़क पर एक के बाद एक गाड़ियाँ तेजी से चल रही थीं। अचानक उसे एक तेज आवाज सुनाई दी। इसके बाद उन्होंने देखा कि एक बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई।

बाजारों में कटरूआ की भरमार, शाकाहारी वन्यजीवों का भोजन खा रहे इंसान

● जंगल में इंसानी दखलंदाजी से वन विभाग की पेट्रोलिंग पर उठ रहे सवाल

● पेट्रेलिंग के बावजूद जंगल से निकलकर बाजारों में पहुंच रहा कटरूआ

मेरी जुबान - शिवम पटेल

लखीमपुर खीरी। बरसात के दिनों में तराई सहित साल के जंगल से निकलने वाला जंगल का फसली शाकाहारी कटरुआ इन दिनों बजार में आठ सौ से लेकर एक हजार रुपये किलो की दर से बिक रहा जबकि दुधवा टाइगर रिजर्व ने इस बार पूरी तरह जंगल मे कटरुआ बीनने की आवाजाही पर रोक लगा रखा है। इतनी सख्ती के बाद भी दुधवा नेशनल पार्क सीमा क्षेत्र से कटरुऐ का बजार मे बिकना अपने मे ही एक पहेली है। जंगल के आसपास बसे लोग किसी न किसी रूप में जंगल पर निर्भर हैं। वे जंगल से जलौनी लकड़ी, शहद, जड़ी-बूटियां, घर बनाने के लिए लकड़ी, घास-फूस हमेशा से लेते आ रहे हैं। जंगल के संरक्षित घोषित होने के बाद भी जंगल से अपनी जरूरत की चीजें लेना वे इसे अपना अधिकार समझते हैं। इसके लिए वे जान जोखिम में डालकर जंगल में अवैध रूप से घुसपैठ कर रहे हैं। नतीजन इंसान जंगल में तो बाघ इंसानी बस्तियों में घुसपैठ करने लगे हैं। इससे टकराव की स्थिति बढ़ रही है। यह स्वाद के कारण ही मनुष्यों की पहली पसंद वन गया और लोग जंगल से बीन कर बाजारों मे ऊंचे मूल्य पर बेच रहे है। इसके चलते जंगलों के अंदर मानवो की आवाजाही बढी है। जिससे वन्य जीवों का भविष्य संकटग्रस्त होकर रह गया है, तथा इसके दूरगामी परिणामों को देखते हुए रिजर्व फॉरेस्ट एरिया में मानव के दखल पर रोक लगा दी गयी है। जिससे मानव व वन्य जीवों में संघर्ष न हो।

दुधवा नेशनल पार्क के उपनिदेशक डॉ. रंगाराजू टी ने बताया कि यहां कोर जोन में इंसानी दखलंदाजी पूरी तरह से प्रतिबंधित है। कटरूआ साल के जंगल में पाया जाता है। शाहजहांपुर सहित अन्य क्षेत्रों से आते होंगे। हमारे यहां पार्क सीमा क्षेत्र से मानव के दखल पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा हुआ है।

जंगल में घुसकर कटरूआ बीनना है प्रतिबंधित

वन्य जीवों के भोजन कटरूआ पर अब इंसानों की नजर पड़ रही है। नजीता बाजार में आठ सौ से लेकर एक हजार रुपए किलो की दर से आसानी और धड़ल्ले से कटरूआ बिक रहा है। हालांकि जंगल में घुसकर कटरूआ बीनना प्रतिबंधित है, बावजूद इसके लोग कटरूआ बीनने के लिए जंगल में जाते हैं। इस पर अंकुश लगाना वन विभाग के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।

यहां पाया जाता है कटरूआ

बरसात शुरू होते ही दुधवा टाइगर रिजर्व बफरजोन के मैलानी, भीरा, पलिया समेत दुधवा नेशनल पार्क के किशनपुर सेंक्चुरी और दक्षिण खीरी वन प्रभाग के गोला, मोहम्मदी रेंज में साल के जंगल में कटरूआ निकलने लगता है। यह हिरन, पाढ़ा, चीतल, भालू, बंदर, लंगूर आदि वन्यजीवों का मनपसंदीदा भोजन है जिसे वे बड़े ही चाव से खाते हैं। इससे उन्हें भरपूर प्राकृतिक प्रोटीन मिलता है।

फर्जी बैनामा कराने वाले गैंग का खुलासा

महिला सहित तीन गिरफ्तार लैपटॉप प्रिंटर, और कई फर्जी आधार कार्ड बरामद

मेरी जुबान - संवाहाता

धौरहरा-खीरी। धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के हौकना मटेरा निवासी एक महिला की भूमि को कुछ जालसाजों ने फर्जी आधार बना कर हरदोई की महिला को खड़ा कर फर्जी बैनामा करा दिया था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने फर्जी आधार बनाए वाले गैंग सरगना सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के हौकना मटेरा निवासी बिटाना पत्नी बलराम की सिसैया कलां में 8 बीघा जमीन है। बेशकीमती जमीन होने के चलते फर्जी वाड़ा करने वाले गैंग की नजर इस जमीन पर पड़ी। तो मिश्रनपुरवा गांव निवासी आरिफ पुत्र आजम ने सरिता पुत्री राजेन्द्र निवासी बढईनपुरवा थाना बेनीगंज जिला हरदोई को बिटाना बना कर लाया। जिसकी फर्जी आईडी आधार कार्ड जनसुविधा केन्द्र सिसैया के संचालक प्रेम प्रकाश पुत्र छोटे लाल निवासी मैला मजरा कलुवापुर से बनवा कर सोने लाल निवासी राम लोक के हक मे दस लाख में 8 बीघा जमीन का बैनामा कर दिया। इससे पहले भी आरिफ ने मृतक खातेदार इतवारी पुत्र बल्देव निवासी मिश्रनपुरवा की भूमि का फर्जी बैनामा प्रीती अवस्थी और दो नाबालिग बच्चों के नाम फर्जी आईडी बना कर करा चुका है। सीओ प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि आरिफ ही हरदोई से महिला को 50 हजार का लालच देकर लाया था। जिसे बिटाना बना कर फर्जी बैनामा करा दिया। मामले में आरिफ, निवासी मिश्रनपुरवा, प्रेम प्रकाश जनसुविधा केन्द्र संचालक और सरिता देवी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इनके पास से एक लैपटॉप आधार कार्ड, प्रिंटर, सीपीयू, कीबोर्ड माउस आदि बरामद हुआ है। इससे पहले क्रेता सोने लाल और मुंशी व गवाह संदीप कुमार नाग, रामू को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। सीओ प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि यह एक संगठित अपराध है इसमें अन्य लोग भी शामिल है जिनकी जांच चल रही है। सभी पर गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी।

त्रिपुरा विधानसभा में हंगामा, कार्यवाही में बाधा पहुंचाने के लिए पांच विधायक निलंबित

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा में पांच विधायकों को सदन में हंगामा करने पर निलंबित कर दिया। सदन के स्पीकर विश्वाबंध सेन ने सीपीआई (एम) विधायक नयन सरकार, कांग्रेस के सुदीप रॉय बर्मन और तीन टिपरा मोथा विधायक को सदन में अशांति फैलाने के लिए एक दिन के लिए निलंबित किया है। टिपरा मोथा के तीन निलंबित विधायकों में बृस्वकेतु देबबर्मा, नंदिता रियांग और रंजीत देबबर्मा का नाम शामिल है।

वसुंधरा और पायलट के बिना राजस्थान की चुनावी गणित अधूरी, अपनी-अपनी पार्टी के लिए बने जरूरी

नई दिल्ली। देश में सियासी उठापटक का दौर लगातार जारी है। 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन उससे पहले इस साल के आखिर में देश के तीन महत्वपूर्ण राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होंगे। इन तीनों ही राज्यों के चुनाव को भाजपा और कांग्रेस के हिसाब से सेमीफाइनल माना जा रहा है। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा और कांग्रेस अपनी चुनावी तैयारियों में जुटी हुई है। राजस्थान को लेकर भी चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। एक ओर जहां राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अंतर्कलह जारी है। तो वहीं भाजपा भी कई खेमों में बंटी हुई है। राजस्थान में इन्हीं दोनों दलों के बीच मुकाबला रहता है। हर चुनाव में यहां सत्ता परिवर्तन होता रहा है। पिछले ढाई दशकों को देखें तो राजस्थान की कमान या तो भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे ने संभाला है या फिर कांग्रेस की ओर से अशोक गहलोत रहे हैं। राजस्थान में जबरदस्त तरीके से सियासी शोर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों की ओर से राजस्थान को लेकर बैठक चल रही हैं।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान
लखीमपुर खीरी | 2
लखीमपुर खीरी, शनिवार 08 जुलाई, 2023

जनप्रतिनिधि, अफसरों ने पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को सौंपी आवास की चाबी

●केंद्रीय मंत्री ने जनप्रतिनिधियों, अफसरों संग लाभार्थियों को बाटी आवास की चाभी

●पीएम स्वनिधि के लाभार्थियों को क्यूआर कोड एवं परिचय बोर्ड की मिली सौगात

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। हर किसी को सुंदर आशियाना का सपना होता है, कुछ लोग किसी तरह से आशियाना बना लेते हैं तो कुछ लोग मकान खड़ा करने में जिंदगी गुजार देते हैं। फिर भी सपना पूरा नहीं होता। ऐसे में गरीबों के सपनों को सरकार पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना से ग्रामीणों के सपने को नया पंख लग रहा है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत के तहत खीरी जिले के 25864 लाभार्थियों को आवासों का चाबी वितरण एवं लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम हुआ, जिसमें लाभार्थियों की आंखों में खुशी के आंसू दिखे। कार्यक्रम का सफल संयोजन पीडी एसएन चौरसिया ने किया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी, एमएलसी अनूप गुप्ता, विधायक योगेश वर्मा, मंजू त्यागी, अध्यक्ष जिपं प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह ने डीएम महेंद्र बहादुर सिंह सीडीओ अनिल कुमार सिंह के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 30 लाभार्थियों को चाबी प्रदान की। इसके अलावा जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के छह लाभार्थियों को क्यूआर कोड, दो लाभार्थियों को परिचय बोर्ड प्रदान किए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने सभी लाभार्थियों से संवाद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने कहा कि प्रधानमंत्री इस बात के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि सभी आवासहीनों के सिर पर पक्की छत का साया हो जाय। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत ऐसे व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है, जो समाज के अंतिम पायदान पर खडे. हैं। उन्होंने सरकार के 09 वर्ष के कामकाज गिनाए। सरकार ने कमजोर वर्ग में सकारात्मक परिवर्तन लाकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनकी सामान्य जरूरतों को पूरा करने के काम किया। केंद्र व प्रदेश सरकार हर क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। उन्होंने ना केवल सरकार की ओर से किए गए प्रयासों का जिक्र किया बल्कि सकारात्मक परिणाम भी गिनाएं। एमएलसी, भाजपा के प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता ने कहा कि आज हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में 70 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि यदि आप केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित हैं, तो टोल फ्री नंबर 9090902024 पर मिस कॉल देकर प्रधानमंत्री मोदी जी को आशीर्वाद एवं समर्थन दे। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने लाभार्थी परिवारो को सुन्दर और अच्छा आवास बनाने के लिए ढेर सारी बधाई व शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पीएम के कार्यक्रम की हुई लाइव स्ट्रीमिंग

कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में एलईडी स्क्रीन के जरिए जनप्रतिनिधियों अफसरों के साथ बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा व सुना। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अफसरों ने प्रधानमंत्री आवास योजना का इतना अच्छा उपयोग करने के लिए लाभार्थी का अभिनंदन भी किया।

चाबी पाते ही लाभार्थी बोले.....

- पूरा हुआ अपने घर का सपना सोचा नहीं था कि अपनी छोटी सी कमाई में कभी खुद का पक्का घर भी हो पाएगा, लेकिन यह सपना पूरा हो गया। इसके लिए प्रदेश सरकार को हमेशा धन्यवाद दूंगी।

कुसमा पत्नी केस पाल, ग्राम लकेसर

- यह सरकार गरीबों की सुनती है, इसके पहले कोई सुनने वाला नहीं था। आज हम भी पक्के घर वाले हो गए। यह सब किसी सपने की तरह लगा रहा था। पर सच हुआ।

किरण देवी पत्नी हरिओम जमुनिया

- लाभार्थी गुड़िया देवी पत्नी सर्वेश कुमार व उनका पूरा परिवार आर्थिक तंगी के कारण झोपड़ी में गुजर-बसर को मजबूर था। बकौल सीमा, जरा-सी बारिश और तेज हवा चलने पर झोपड़ी में लगी बल्लियां गिर जाती थीं और झोपड़ी में घुटनों तक पानी भर जाता था। पूरा परिवार इसे बदनसीबी मानकर जी रहा था। योजना का लाभ लेकर उन्होंने झोपड़ी को अब पक्के आशियाने में बदल लिया है। गुड़िया देवी का कहना है कि इस योजना ने उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीने का अवसर दिया है।

गुड़िया देवी पत्नी सर्वेश कुमार

इनकी रही मौजूदगी

सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय, सीडीओ अनिल कुमार सिंह, पीडी एस एन चौरसिया, डीडीओ दिनकर विद्यार्थी, डीसी मनरेगा विपिन कुमार चौधरी, डीसी एनआरएलएम राजेंद्र श्रीवास, पीओ डूडा डॉ अजय कुमार सिंह, एलडीएम अजय कुमार पांडे सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य क्लब का गठन

गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया किशोर स्वास्थ्य क्लब का गठन

गोला संवाददाता

गोला-खीरी। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ महेंद्र प्रताप सिंह के निदेर्शानुसार गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोला में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,गोला के अर्श काउन्सलर रूपेश मिश्र की उपस्थिति में किशोर स्वास्थ्य क्लब का गठन किया गया। रूपेश मिश्र ने बताया कि सीएचसी,गोला में साथिया केंद्र संचालित है जिसमें 10 से 19 वर्ष के किशोर तथा किशोरियों की स्वास्थ्य संबंधी काउंसलिंग की जाती है जिसमें पोषण,नशावृत्ति,हिंसा,यौन संबंधी समस्याएं,मानसिक स्वास्थ्य तथा लैंगिक समानता जैसे विषय शामिल हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ सौरभ दीक्षित,राम सनेही,डॉ राजेश कुमार,जीव विज्ञान शिक्षक आमिर हुसैन,नागेश वर्मा,तेजराम गंगवार,दुर्गेश कुमार,पुष्पेंद्र नाथ शुक्ल,श्रीश गुप्त व लिपिक राजेश कुमार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कांग्रेस का मंहगाई पर हल्ला बोल

गोला संवाददाता

गोला-खीरी। भारतीय युवा कांग्रेस राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी विनीत कंबोज जी व उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष ओमवीर यादव जी के दिशा निदेर्शानुसार लखीमपुर युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष शुभम अग्निहोत्री जी के नेतृत्व में आज उप राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी महोदय व तहसीलदार जी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेतावनी देते हुए यूवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम अग्निहोत्री जी ने कहा की इस बढ़ती हुई मंहगाई की मार हर आम आदमी झेल रहा है जिसके साथ कंधे से कंधा मिला कर चलते हुए यूवा कांग्रेस के सभी साथी इस सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। यह अंधी व बहरी सरकार आम आदमी को सिर्फ धर्म के सहारे बेवकूफ बना रही है और मंहगाई पर काबू पाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। अतः उपराज्यपाल महोदय से निवेदन है की सरकार को इस ओर कड़े कदम उठाने के लिए सचेत करें। अन्यथा की स्तिथि में युवा कांग्रेस राष्ट्रीय आंदोलन करेगी और अपने तरीके से इस सरकार को मजबूर करेगी की बढ़ती मंहगाई व बेरोजगारी के खिलाफ सख्त कदम उठाए। कार्यक्रम में मुख्यतः जिला उपाध्यक्ष सहजेंद्र दीक्षित, प्रदेश महासचिव किसान कांग्रेस विपुल गुप्ता, अनुज कुमार, रामगोपाल, मुश्ताक, सरफराज, मुन्ना, आरिफ, गौरव शर्मा, मारूफ खान आदि कांग्रेस जन मौजूद रहे।

सीनियर सीआरपी ने समूह की महिलाओं को दी जानकारी

संवाद्दाता - प्रदीप वर्मा

नकहा-खीरी। सीनियर सीआरपी की टीम शुक्रवार को ब्लाक नकहा की ग्राम पंचायत बेलवा में पहुची जहां स्वयं सहायता समूह से जुड़ी गांव की महिलाओं के साथ बैठक की। इस दौरान समूह की महिलाओं को जानकारी देते हुए संगठन का निर्माण किया। जिसमें पांच पदाधिकारी चुने गए। इनमें महिलओं को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उप सचिव और कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी। साथ ही सीआरपी ने महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया कि अपना रोजगार कैसे करना, कैसे अपने समूह को आगे बढ़ाना है, और कैसे अपनी आजीविका को विकसित कर आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। बता दें राष्ट्रीय आजीविका मिशन उत्तर प्रदेश ग्राम संगठन के तहत प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूहो की महिलाओं को जानकारी और प्रशिक्षण देने के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त सीनीयर सीआरपी टीम ने महिलाओं को उनके समूह के विस्तार सहित किये जा रहे कार्यों से कैसे लाभ अर्जित कर अपनी आजीविका विकसित करने में आगे बढ़े के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। इस मौके पर ग्राम पंचायत में संचालित सभी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज का स्थापना दिवस व अलंकरण समारोह

नगर पालिका अध्यक्ष व पूर्व विधायक ने छात्रों को किया पुरस्कृत

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर खीरी। शहर के दुधवा रोड स्थित नगर गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज के 20 वें स्थापना दिवस एवं छात्र अलंकरण समारोह का नगर पालिका अध्यक्ष केबी गुप्ता तथा कालेज के संस्थापक पूर्व विधायक आर एस कुशवाहा ने गौतम बुद्ध व विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष केबी गुप्ता ने इस मौके पर कहा कि नगर में गरीब एवं मध्यम वर्गीय बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए आज से 20 वर्ष पहले विधायक आर एस कुशवाहा ने नगर में शिक्षा की जो ज्योति जलाई, वह आज भी अपने मिशन को पूरा कर रही है, विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रवक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार रामचंद्र शुक्ल ने विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई का समय निर्धारित कर अधिक से अधिक विषयों ब पुस्तकों का अध्ययन करने को कहा, साथ ही सभी अभिभावकों को भी अपने बच्चों पर ध्यान देने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के संस्थापक एवं पूर्व विधायक आर एस कुशवाहा ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त कर छात्रों से कहा कि जो विषय उनकी समझ में एक बार में न आए उसे अपने टीचर से दुबारा पूंछ कर जानकारी हासिल करें। अभिभावक भी बच्चों के प्रति सतर्क रहें, केवल स्कूल भेजना ही अपनी जिम्मेदारी न समझें। इसके अतिरिक्त समारोह को कॉलेज के निदेशक हिमांशु शुक्ला, प्रधानाचार्य कामिनी मौर्य आदि ने भी संबोधित किया। समारोह के प्रारंभ में कालेज की छात्राओं ने सरस्वती गीत, स्वागत गीत, देश गीत एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोहा, मुजहा के ग्राम प्रधान, शिक्षिका विजयलक्ष्मी गुप्ता, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में नगर पालिकाध्यक्ष केबी गुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने विगत वर्ष विद्यालय की प्रत्येक कक्षा में उत्तम स्थान लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक सपन दिवाकर ने कुशलतापूर्वक किया।

बिजली विभाग के जेई पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर खीरी। न्याय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश जोशी के नेतृत्व में न्याय समाज पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शहर के विलोबी मेमोरियल हाल में धरने पर बैठे हैं। जहां उनको धरने पर बैठे लगभग नौ दिन बीत चुके है। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष न्याय समाज पार्टी आदेश जोशी का कहना है कि रेहरिया हाइडल पर तैनात जेई जितेंद्र ने बहुत भ्रष्टाचार किया है। बिजली विभाग से हुई मौतों के जिम्मेदार अधिकारी पर मुकदमा दर्ज करके जेल भेजा जाए। उन्होंने बताया कि जो भी मोटर कनेक्शन हुए हैं उन सभी किसानों से दो से ढाई लाख रुपए लेता है और बिजली उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की धमकी देता है। ग्राम पंचायत मूड़ा गालिब में बीते लगभग चार-पांच साल से दस केबी ट्रांसफार्मर रखा है जो कि आये दिन जल जाता है। जेई से कई बार कहा तों जेई कहता है कि तीस हजार रूपय दे दो तो तत्काल रखवा दूंगा। उन्होंने मांग की है कि जेई के इस प्रकरण की तत्काल जांच कर जेई पर उचित कार्रवाई की जाए। इस दौरान न्याय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदेश जोशी सहित कार्यकर्ता और पदाधिकारी रहे मौजूद।

नवनिर्मित थाना पढुआ का एसपी ने किया उद्घाटन

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। शुक्रवार को एसपी गणेश प्रसाद साहा ने पढुआ क्षेत्र वासियों को नए थाने की सौगात दी। उन्होंने नवनिर्मित थाना पढुआ का विधि विधान से पूजन कर फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी निघासन, सर्किल के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष, अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी सहित क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्ति तथा भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस दौरान एसपी गणेश प्रसाद साहा ने समस्त क्षेत्रीय संभ्रांत व्यक्तियों एवं स्थानीय लोगों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही यह भी अपेक्षा की है कि नवनिर्मित थाना पढुआ आने वाले समय में अपनी सार्थकता को सिद्ध करेगा जिससे पूरे क्षेत्र में अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगेगा।

गड्ढो में तब्दील हो गई सावित्री देवी इंटर कॉलेज चकई जाने वाली सड़क

जर्जर सड़क पर होता है जलभराव, निकलते हैं हजारों स्कूली बच्चे
चकई से नरहर तक जाने वाली सड़क का हाल है बेहाल

संवाद्दाता - प्रदीप वर्मा

नकहा-खीरी। क्षेत्र में सड़कों की स्थिति ठीक नहीं है। अधिकांश सड़कें जर्जर हो गई है। वर्षों से कहीं सड़कों का निर्माण हो रहा है तो कहीं सड़कों को गढ्ढा मुक्त किया जा रहा है। लेकिन धरातल पर स्थिति इसके उलट दिखाई पड़ती है। ब्लाक नकहा के ग्राम पंचायत बड़ागांव के मजरा चकई से नहर तक जाने वाली सड़क बीते करीब तीन से चार वर्षों से गड्ढों में तब्दील है। जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खास बात तो यह है कि इसी सड़क पर सावित्री देवी इंटर कॉलेज स्थित है। विद्यालय का प्रमुख रास्ता होने के कारण हजारों बच्चे उक्त जलभराव वाली सड़क से होकर आते-जाते हैं। बारिश होने पर गड्ढों में पानी भर जाता है जिस कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनीं रहती है। सड़क पर जलभराव से होकर निकल रहे राहगीरों ने बताया कि सुना है कि कहीं सड़क गढ्डामुक्त अभियान चला था। लेकिन हमारे क्षेत्र की तो अधिकांश सड़के आज भी खस्ताहाल होकर अभियान का इंतजार कर रहीं हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग की यह सड़क बीते 4-5 साल से जर्जर है लेकिन इस ओर किसी भी जिम्मेदार की नजर नहीं पड़ रही है। उक्त सड़क पर आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

समाज के विकास की आधारशिला है शिक्षा : के.बी गुप्ता

पलियाकलां–खीरी। प्रतिभाएं राष्ट्र के विकास की मूल आधारशिलाएं हैं जिनका संरक्षण, संवर्धन, प्रोत्साहन हम सभी का कर्तव्य है, समाज के विकास की आधारशिला शिक्षा है यही विभूतियां भविष्य में राष्ट्र के सजग प्रहरी एवं कर्णधार बनते हैं उक्त उद्गार गौतमबुद्ध इंटर कालेज के वार्षिकोत्सव एवं छात्र अलंकरण समारोह में मेधावी छात्र छात्राओं एवं गुरुजनों का सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुये नगर पालिका अध्यक्ष के.बी गुप्ता ने व्यक्त करते हुये विद्यालय परिवार को यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम का आरम्भ भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करते हुये विद्यालय के प्रबंध निदेशक आरएस कुशवाहा, पालिकाध्यक्ष केबी गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। एमडी पूर्व विधायक एवं एमएलसी आरएस कुशवाहा ने विद्यार्थियों को रोजगारपरक उच्च शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुये विद्यालय की ओर से आम जनमानस की सुविधा हेतु पार्क बनवाये जाने के उद्देश्य से नगर पालिका को जमीन देने की घोषणा की गई। कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार रामचंद्र शुक्ला आदि द्वारा भी संबोधित किया गया।

पांच ब्लॉकों के स्कूलों में पीटीएम, सात शिक्षक अनुपस्थित

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। स्कूलों में बच्चों की अनुपस्थिति बढ़ाने, हर बच्चे को निपुण बनाने, बच्चों का एडमिशन बढ़ाने के लिए शुक्रवार को जिले के पांच ब्लाकों के परिषदीय स्कूलों में शिक्षक अभिभावक बैठक आयोजित की गई। वही खंड शिक्षा अधिकारियों जिला समन्वय की टीमों ने स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में शुक्रवार को सात शिक्षक शिक्षा मित्र व अनुदेशक अनुपस्थित मिले। सभी को नोटिस जारी की जा रही है। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि स्कूल चलो अभियान के तहत जिले के सभी परिषदीय स्कूलों, कस्तूरबा स्कूलों में पेरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। साथ ही स्कूलों का सघन निरीक्षण अभियान भी चलाया गया। शुक्रवार को पांच ब्लॉकों फूलबेहड़, धौराहरा, गोला कुंभी, नकहा, पसगवां व नगर के परिषदीय स्कूलों में पीटीएम का आयोजन हुआ। अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया। अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी व सघन निरीक्षण अभियान के प्रभारी डीसी एमआईएस पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि तीन दिनों में जिले के सभी 3122 स्कूल जिसमें कस्तूरबा स्कूल शामिल है उनमें पीटीएम का आयोजन किया गया। वही बीईओ की टीमों के निरीक्षण में शुक्रवार को ईसानगर में 2 सहायक शिक्षक, मितौली में एक प्रधानाध्यापक और दो अनुदेशक, नकहा में एक शिक्षामित्र, गोला कुंभी में एक अनुदेशक अनुपस्थित पाए गए। सभी को नोटिस दी जा रही है।

कंधईपुर के ग्रामीणों ने दिया डीएम को पत्र, न्याय की गुहार

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर खीरी। शुक्रवार को विलोबी हाल पहुंचे कंधईपुर के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मांग की है कि कंधईपुर गांव में दो समाजों के बीच हुए विवाद के मामले में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। जिसमें अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों ने आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने की मांग की है। बता दें पूरा मामला बीते माह कंधईपुर गांव में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर में लटकता पाया गया। जिसके बाद दो समुदाय के लोगों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। वही पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। लेकिन प्रकरण में कोई कार्यवाही न होने के चलते ग्रामीण जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और उन्होंने प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कराकर पाये गए आरोपियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग की है।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान
राजधानी | 3
लखीमपुर खीरी, शनिवार 08 जुलाई, 2023

निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप करें राजस्व वसूली-डीएम

पुराने वादों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाये निस्तारित

मेरी जुबान संवाददाता

पीलीभीत। डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में राजस्व कार्यों एवं कर-करेत्तर की समीक्षा बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। कर करेत्तर की बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने वाणिज्यकर, स्टाम्प, परिवहन, विद्युत, सामाजिक वानिकी, टाइगर रिजर्व, बाढ़ खंड, मण्डी, खनन, बाट माप, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के निर्धारित किये गए लक्ष्य के सापेक्ष अब तक की गई राजस्व वसूली की विभागवार समीक्षा की गई। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के अनुरूप वसूली न करने पर अधिशासी अभियन्ता विद्युत लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने के निर्देश दिये। मण्डी समिति की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष बकाया वसूली करने के निर्देश दिये। वाणिज्य कर, परिवहन, मण्डी से सम्बन्धित अधिकारियों को कडे निर्देश देते हुये कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित की जाये। परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान एआरटीओ को लक्ष्य के सापेक्ष वसूली करने के निर्देश दिये गये। खनन विभाग की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष वसूली न करने पर खनन अधिकारी को तेजी से वसूली करने के निर्देश दिये। स्टाम्प की समीक्षा के दौरान आईजी स्टाम्प को निर्देशित करते हुये कहा कि बडे बकाएदारों से लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कराना सुनिश्चित करें। एआईजी स्टाम्प को निर्देशित किया गया लम्बित वादों का समय से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा समस्त विभागाध्यक्षों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि आईजीआरएस पोर्टल को नियमित देखें कोई भी सन्दर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में न आने पाए, यदि किसी भी विभागाध्यक्ष का सन्दर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापरक ढंग व समय से निस्तारण कर शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर पोर्टल पर अवश्य अपलोड करें। इसके साथ ही उन्होंने समस्त विभागाध्यक्षों को आईटीआई की शिकायतों का समय से निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही साथ जिलाधिकारी द्वारा समस्त विभागाध्यक्षों से जारी आरसी के सम्बन्ध में जानकारी ली गई तथा जारी आरसी से प्राप्त धनराशि के बारे में जानकारी ली गई और अधिक से अधिक वसूली करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही साथ जिलाधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार से राजस्व वादों की समीक्षा की गई और इस माह में लक्ष्य के सापेक्ष वादों के निस्तारण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही समस्त उप जिलाधिकारी व तहसीलदारों को निर्देश दिये अधिक से अधिक लंबित वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी उन्होंने कहा कि सभी उप जिलाधिकारी निर्देश दिये गये अपने यहां लम्बित पुराने वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करायें। भू-राजस्व/राजस्व संहिता के बाद अधिक समय तक लंबित न रखा जाये। बैठक के दौरान समस्त उप जिलाधिकारियों को सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे, पारिवारिक लाभ योजना, पेंशन प्रकरण, पुराने वादों का निस्तारण करने निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया सार्वजनिक स्थलों व चकरोड से अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विरासत सम्बन्धी प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी उप जिलाधिकारी अपने यहां लम्बित पुराने वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करायें। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्ट्रेट, डीएफओ सामाजिक वानिकी, समस्त उपजिलाधिकारी, एआरटीओ, अधिशासी अभियन्ता शारदा सागर खण्ड, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, समस्त तहसीलदार, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सारथी वाहन को सी एम ओ ने झंडी दिखाकर किया रवाना

मेरी जुबान संवाददाता

पीलीभीत। जनपद के समस्त ब्लाक स्तरीय चिकित्सालयों एवं नगरीय क्षेत्र में सारथी वाहन का संचालन किया गया जोकि ब्लाक के राजस्व ग्राम एवं नगरीय क्षेत्र के सभी मोहल्लों में जाकर जनमानस को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करेगा। उक्त सारथी वाहन का संचालन 10 जुलाई 2023 तक किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय

से दो सारथी वाहनों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। सारथी वाहन को गुब्बारों एवं परिवार नियोजन से सम्बन्धित बैनरों से सजाया गया था। उक्त वाहन नगर क्षेत्र के सभी मोहल्लों में जाकर आगामी 11 जुलाई 2023 से प्रारंभ हो रहे जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के विषय में प्रचार प्रसार करेंगे एवं जनमानस को जागरूक करेंगे। जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता सारथी वाहन में परिवार नियोजन की रोचक थीम पर गीतों एवं पम्पलेट वितरित किया जायेगा। नगरीय आशा बहनों द्वारा सारथी वाहन के माध्यम से इच्छुक लाभार्थियों को परिवार नियोजन के साधनों को भी वितरित किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आलोक कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 हरिदत्त नेमी, सहायक मलेरिया अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वन महोत्सव सप्ताह के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में वृहत वृक्षारोपण अभियान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूमि एवं उद्यान विभाग एवं 63 यूपी बीएन नेशनल कैडेट कोर एनसीसी ने साथ मिलकर वन महोत्सव सप्ताह के दौरान वृहत वृक्षारोपण अभियान चलाया। वृक्षारोपण कार्यक्रम का माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने शिक्षकों छात्रों व विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ शुभारंभ किया। कार्यक्रम में माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन, प्रो एसएन पांडेय अधीक्षक भूमि एवं उद्यान विभाग, मेजर डॉ किरण डंगवाल एवं डॉ अलका मिश्रा, खगोल विज्ञान विभाग ने टैगोर लान मैं वृक्षारोपण का समन्वय किया विशिष्ट उपस्थित लोगों में कर्नल हर्ष कुमार झा, प्रो पूनम टंडन, डॉ रजनीश यादव, डॉ ओपी शुक्ला, डॉ महेंद्र अग्निहोत्री कर्मचारी व छात्र वृक्षारोपण कार्यक्रम में परिसर में हरित वातावरण एवं जैव विविधता को बढ़ाने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का हिस्सा बने। भूमि एवं उद्यान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय ने पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

ओडी ओपी प्रशिक्षण व टूलकिट वितरण योजना प्रारम्भ

मेरी जुबान संवाददाता

पीलीभीत। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र पीलीभीत के डिप्टी कमिश्नर ने अवगत कराया कि प्रदेश सरकार द्वारा बेरोजगार लोगों लोगों का रोजगार उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रशिक्षण व टूलकिट वितरण योजना चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए शासन से लक्ष्य प्राप्त हो गया है और हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों को 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रशिक्षण उपरान्त प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र व टूलकिट भी प्रदान की जायेगी। यह प्रशिक्षण बांसुरी एवं बुड उत्पाद ट्रेड में दिया जायेगा। प्रशिक्षण उपरान्त प्रशिक्षार्थियों को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं ओडीओपी वित्त पोषण सहायता योजना में ऋण/अनुदान दिलवाकर उनको रोजगार से जोड़ा जायेगा। डिप्टी कमिश्नर इण्डस्ट्रीज आत्मदेव शर्मा द्वारा बताया कि योजना के अन्तर्गत इच्छुक अभ्यर्थी जो इन निर्धारित ट्रेडों में प्रशिक्षण लेना चाहते हैं, वेबसाइट diupmsme. upsdc. gov.in. पर आवेदन करने आवेदन की हार्ड कॉपी जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र पीलीभीत में जमा कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, पीलीभीत से सम्पर्क कर सकते ह। योजना की पात्रता की शर्तों के लिए आवेदक का पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र (एस0सी0, ओ0बी0सी0 वर्ग के लिये), आयु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि बांसुरी एवं बुड उत्पाद कार्य से जुडे.ऐसे इच्छुक युवक/युवतियों जिनकी आयु 18 वर्ष या अधिक है, आवेदनकर्ता जनपद का स्थाई निवासी होना चाहिए, आवेदनकर्ता एवं उसके परिवार के किसी सदस्य ने पूर्व में किसी प्रशिक्षण योजना में टूलकिट/मानदेय का लाभ नहीं लिया हो।

जेएसवी ग्रुप के लखनऊ और बाराबंकी के ठिकानों पर छापा

कई कार कंपनियों के शोरूम चलाता है समूह

लखनऊ। कई नामचीन कार कंपनियों की डीलरशिप संचालित करने वाले राजधानी के जेएसवी ग्रुप के ठिकानों पर आयकर विभाग ने गुरुवार को छापा मारा है। लखनऊ और बाराबंकी में आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापों के दौरान लाखों रुपये की नगदी, जेवरात, संपत्तियों के दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद किए गए हैं। आयकर विभाग ने गोरखपुर के गैलेंट ग्रुप से जमीन के बदले बड़ी तादाद नें नगदी लेने के पुख्ता सुराग मिलने के बाद जेएसवी ग्रुप के ठिकानों को खंगाला है। सूत्रों की मानें तो छापों की जद में जेएसवी ग्रुप के अलावा बाराबंकी का एक और कारोबारी हबीबुल्लाह भी आया है, जिसने बीते कुछ सालों के दौरान जमीन के कारोबार में करोड़ों रुपये कमाए हैं। इसका संबंध भी गैलेंट ग्रुप से बताया जा रहा है। बताते चलें कि जेएसवी ग्रुप का संचालन बाराबंकी निवासी जयशंकर वर्मा और उनके दोनों बेटे करते हैं। इस ग्रुप के लखनऊ और बाराबंकी में कई प्रतिष्ठान और आवास हैं। साथ ही, प्लाईवुड समेत कई अन्य कारोबार में भी हाल के वर्षों में शुरू किया गया है। दरअसल, बीते अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में गोरखपुर के गैलेंट ग्रुप के पांच राज्यों में स्थित 50 से अधिक ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों में जेएसवी ग्रुप का नाम भी सामने आया था। गैलेंट ग्रुप के ठिकानों से मिले दस्तावेजों की पड़ताल में पता चला कि उसने जेएसवी ग्रुप को जमीन के बदले करोड़ों रुपये नगद भुगतान किया है। इससे बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी अंजाम दी गई। फिलहाल आयकर विभाग के अधिकारी जेएसवी ग्रुप के ठिकानों से हुई बरामदगी की जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं। छापे की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी। बाराबंकी में रियल स्टेट कारोबारी के घर व कार शोरूम पर आयकर का छापा आयकर विभाग की टीमों ने बृहस्पतिवार को शहर में दो स्थानों पर छापेमारी की। यहां एक रियल स्टेट के कारोबारी के घर पर पिछले करीब 13 घंटों से छापेमारी की जा रही है। वहीं, एक कार शोरूम पर भी आयकर विभाग की टीम ने दस्तावेज खंगाले। देर रात तक कार्रवाई जारी होने से शहर भर में चचाओं का माहौल गर्म रहा। हालांकि किसी भी उच्चाधिकारी के पास आयकर के छापे को लेकर कोई जानकारी नहीं है। इस पूरी कार्रवाई को गैलेंट समूह पर हुई छापेमारी से जोड़कर देखा जा रहा है। बृहस्पतिवार की सुबह करीब आठ बजे शहर के बेगमगंज मोहल्ले में रियल स्टेट कारोबारी हबीबुल्ला के आवास पर लखनऊ से तीन गाड़ियों में आयकर विभाग के अधिकारी महिला एवं सुरक्षा कर्मियों के साथ पहुंचे।

यूपी में फार्मासिस्ट के अधिकारों के लिए साल 1976 में शुरू हुआ था संघर्ष

लखनऊ। राजधानी के बलरामपुर, सिविल, लोकबंधु सहित तमाम अस्पतालों में गुरुवार को उत्तर प्रदेश डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक फामेर्सी रत्न स्वर्गीय राम उजागिर पाण्डेय की 20वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर फार्मासिस्टों ने स्वर्गीय राम उजागिर पाण्डेय के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। आज ही 6 जुलाई 2003 में उत्तर प्रदेश में फार्मासिस्ट को एकत्र करने वाले कर्मचारी नेता राम उजागिर पांडे की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया था। फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि डॉक्टर के लिखे पर्चे पर मरीजों को दवा देने से लेकर उसके भंडारण तक कार्य करने वाले फार्मासिस्ट हेल्थ केयर प्रोफेशनल होते हैं। फार्मासिस्ट की भूमिका केवल

मरीजों को दवा देने तक ही सीमित नहीं होती, दवा का डोज निर्धारण से लेकर क्लीनिकल और फार्मास्यूटिकल से संबंधित शोध यानी कि रिसर्च तक की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर होती है। फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का गठन कुंभ मेले के अवसर पर 1976 में हुआ था। डॉ राम उजागिर पाण्डेय व 1976 बैच एवं अन्य वरिष्ठ साथियों द्वारा किया गया। जिसे 1977-78 के साथियों ने मजबूती प्रदान की। इस संगठन के गठन से पहले फार्मेसिस्ट साथियों के साथ विभाग के अधिकारियों की तरफ से सौतेला व्यवहार किया जाता रहा है। इसी को देखते हुए राम उजागिर पाण्डेय व अन्य साथियों ने अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए संगठन बना डाला। 1976 में डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन बनाने पर सहमति बनी और चिट्ठी पत्रों के माध्यम से अपने अस्तित्व की लड़ाई के लिए आगे आये। 1976 से शुरू हुआ संघर्ष आज भी जारी है। प्रदेश में फामेर्सी की शिक्षा शुरू होने के पश्चात फामेर्सी व्यवसाय और फार्मेसिस्टों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाने का पूरा श्रेय स्वर्गीय राम उजागिर पाण्डेय को जाता है ।

3 साल में किए 100 ऑर्गन ट्रांसप्लांट

लखनऊ के निजी अस्पताल में 94 किडनी और 13 लिवर के सफल ट्रांसप्लांट करने का दावा

लखनऊ। लखनऊ के निजी अस्पताल अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने 100 सफल अंग प्रत्यारोपण सर्जरी करने में कामयाबी हासिल की है। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अल्ट्रामॉडर्न मेडिकल फैसिलिटी से इलाज करने का दावा करते हुए अस्पताल प्रशासन ने कैडवेरिक ट्रांसप्लांट यानी मृत शरीर से मिलने वाले ऑर्गन जैसे लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा भी उपलब्ध होने का दावा किया हैं। इस दौरान अपोलो अस्पताल के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और सीनियर पेडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. अनुपम सिब्बल ने बताया कि अपोलो ट्रांसप्लांट प्रोग्राम अल्ट्रा मॉडर्न मेडिकल टेक्नोलॉजी के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध कराने वाला दुनिया के सबसे बड़े ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रोग्राम्स में से एक है। उन्होंने दावा किया कि अपोलो के ट्रांसप्लांट कार्यक्रम के तहत साल 2012 से सालाना 1200 से अधिक आर्गन ट्रांसप्लांट हो रहे हैं रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक प्रत्यारोपण के महत्वपूर्ण आंकड़े को हासिल किया गया था उन्होंने बताया कि भारत में अंगदान की दर बेहद कम है, देश में प्रति दस लाख लोगों पर केवल 0.08 अंगदान होते हैं। यह क्रोएशिया जैसे देशों की तुलना में बहुत कम है, जहां प्रति दस लाख लोगों पर अंगदान की दर 36.5 है। 2021 में।भारत में 552 अंग दाता ही उपलब्ध थे, जो लास्ट स्टेज के ऑर्गन फेलियर से पीड़ित 1519 रोगियों की जान बचाने में सहायक सिद्ध हुए।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग लडकी से छेड़छाड़ लगी पाक्सो एक्ट धारा

मेरी जुबान संवाददाता

धौरहरा-खीरी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की एक 13 वर्षीय बालिका से एक युवक ने छेड़छाड़ की थी। मामले में पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध छेड़छाड़ एवं पाक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय बालिका घर के बाहर बैठी थी। तभी काजीपुरवा गांव निवासी विनोद आ गया और बालिका से गंदी हरकत करते हुए छेड़छाड़ करने लगा। बालिका ने जब शोर मचाया तो आरोपी फरार हो गया। पीड़ित बालिका अपने पिता के साथ कोतवाली पहुंच तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह ने बताया आरोपी के विरूद्ध पाक्सो एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया है।

पांच माह बाद ठेका नहीं, राजस्व को भारी

मेरी जुबान संवाददाता

धौरहरा-खीरी। धौरहरा तहसील परिसर में लगने वाले पान, स्टेशनरी, फोटो कॉपी और फोटो स्टेट के ठेके पांच माह बाद भी नहीं हो सके। ?पर यह दुकानें तहसील में बदस्तूर लग रही है। जिससे राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। धौरहरा तहसील में लगने वाली कैंटीन, साइकिल स्टैंड, की तो नीलामी हुई पर फोटो स्टेट, फोटोग्राफी, स्टेशनरी और पान की दुकानों की नीलामी नहीं की गई। जबकि इन दुकानों पर पुराने ठेकेदार ही अपनी दुकानों का संचालन कर राजस्व का चूना लगा रहे हैं। बता दे तहसील परिसर में लगने वाली सभी दुकानों की नीलामी प्रत्येक मार्च में होती है। पर पहली बार कैंटीन और साईकिल स्टैंड को छोड़ कर अन्य दुकानों की नीलामी पांच माह बाद भी नहीं कराई गई। इसकी वजह से राजस्व का काफी नुकसान हुआ है। एसडीएम धीरेन्द्र सिंह ने बताया नायब नाजिर से पत्रावली तलब की गई है। जल्द नीलामी कराई जाएगी

चोरी के माल के साथ चोर गिरफ्तार

मेरी जुबान संवाददाता

धौरहरा-खीरी। धौरहरा कस्बे के इज्जत नगर में कस्बे का ही एक युवक एक घर से रात सिलाई मशीन और मोबाइल चुरा कर भाग रहा था। जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर ग्रामीणों की मदद से पकड़ लिया। धौरहरा कस्बे के मोहल्ला इज्जत नगर निवासी मरदीन राईन के घर में बीती बुधवार की रात कस्बे का ही एक सातिर चोर दीपू चौरसिया दाखिल हो गया। और कमरे में रखी एक सिलाई मशीन, और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन चुरा कर फरार होने लगा। इसी बीच कुछ गिरने की आवाज सुनकर घर वाले दौड़े तब तक आरोपी घर से बाहर निकल चुका था। गृहस्वामी ने शोर मचाया तो कस्बा गस्त कर रहे एस आई राम जीत यादव दो आरक्षियों सहित आ गए। और ग्रामीणों के सहयोग से आरोपी दीपू चौरसिया? निवासी आचार्य टोला कस्बा धौरहरा को चोरी के माल के साथ गिरफ्तार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह ने बताया आरोपी के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर न्यायालय भेजा गया है।

मांग के अनुरूप प्रतिष्ठानों पर उर्वरक उपलब्ध

किसान उर्वरक क्रय की पर्ची लेना न भूलें

मेरी जुबान संवाददाता

पीलीभीत। प्रारंभ हो गया जनपद के कृषक भाईयों को सूचित किया जाता है कि जनपद का माह जुलाई 2023 का उर्वरकों का लक्ष्य यूरिया-25552 मी0टन, डी0ए0पी0-2023 मी0टन, एन0पी0के0-1439 मी0टन था जिसके सापेक्ष क्रमशः 40589 मी0टन, 7209 मी0टन, 13429 मी0टन उपलब्धता रही है। उर्वरक सहकारी एवं प्राइवेट प्रतिष्ठानों पर वर्तमान मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है एवं आगामी दिनों में भी जनपद को उर्वरक की रेक की आपूर्ति जारी रहेगी। जनपद के कृषकगण उर्वरक क्रय हेतु अपना आधार कार्ड साथ में लेकर जायें और धनराशि भुगतान किये जाने के उपरान्त कैश/क्रेडिट मेमो/पी0ओ0एस0 मशीन में से निकली हुई पर्ची अवश्य प्राप्त कर लें जनपद के समस्त सरकारी एवं निजी क्षेत्र के उर्वरक बिक्री केंद्र प्रभारियों को भी निर्देशित गया है कि निर्धारित दरों पर ही उर्वरकों का विक्रय करें। साथ ही उर्वरकों का विक्रय पी0ओ0एस0 मशीन से ही करते हुए धनराशि प्राप्ति की पर्ची कृषक को उपलब्ध करायी जाये। यदि कोई भी विक्रेता निर्धारित दरों अधिक दरो पर अथवा यूरिया ,डी0ए0पी0 एवं एन0पी0के0 उर्वरक के साथ अन्य गैर जरूरी उत्पाद टैगिंग करता हुआ पाया जाता है तथा काला, बाजारी की पुष्टि होती है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1985 के सुसंगत प्राविधानों के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

विशेष लोक अदालत का आयोजन

मेरी जुबान संवाददाता

पीलीभीत। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ दिनांक 24 मई 2023 के आदेश के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के निदेर्शानुसार दिनांक 08.07.2023 को दीवानी न्यायालय जनपद पीलीभीत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद के निस्तारण के सम्बन्ध में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उपरोक्त के सम्बन्ध में सुनील कुमार पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के द्वारा बताया गया कि विशेष लोक अदालत के आयोजन के सम्बन्ध में पी0एल0वी0 के द्वारा जनपद में शिविरों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

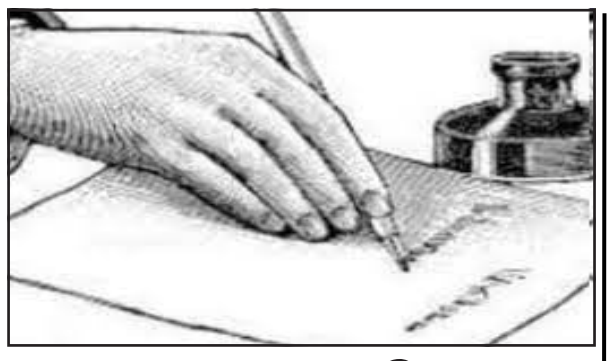

सम्पादकीय

मणिपुर की राह पर बढ़ता मिजोरम

देश की पूर्वोत्तर सीमा मणिपुर में विगत दो माह से अधिक समय से निरंतर रूप से धधक रही हिंसा की आग को रोकने का कोई मार्ग अब तक भी प्रशस्त नहीं हो सका है और उससे सटे एक और महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य मिजोरम में हालात बिगड़ने की शुरूआत हो गई है। इसकी बात कोई और नहीं, मिजोरम की एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री और मिजो नेशनल फ्रंट के नेता जोरमथंगा द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किये गये ट्वीट के माध्यम से सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं। मणिपुर की हिंसा के शिकार कुकी जनजाति के बहुत सारे लोग विगत 03 मई, 2023 से राज्य के हिंसा ग्रस्त होने के बाद अपनी जान बचाने के लिये पडोसी राज्य मिजोरम में जाकर शरणार्थी बन गये हैं, जिनकी देखभाल को जिम्मा राज्य सरकार अपने सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण लंबे अरसे तक उठा सकने में सक्षम नहीं है। इस कारण मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने केन्द्र सरकार को पत्र लिखकर उससे काफी दिनों पूर्व ही शरणार्थी शिविरों के संचालन के लिये 10 करोड़ रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता दिये जाने का अनुरोध किया गया था। लेकिन केन्द्र सरकार ने उस पर ठीक उसी तरह से पूरी चुप्पी साध ली, जिस प्रकार उसने मणिपुर के बारे में अब तक किया है। अपने अनुरोधों का कोई उत्तर न दिये जाने से परेशान मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्वीट कर के राज्य की समस्या सहित मणिपुर में विगत दो माह से अधिक समय से चल रहीं गृह युद्ध जैसी भयंकर स्थिति पर स्वयं उनकी चुप्पी की जिस कठोरता से आलोचना की गई है, वह प्रधानमंत्री की आंखें खोल देने के लिये काफी होना चाहिये। कहने को तो भाजपा मिजोरम में एनडीए की सरकार होने सहित पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों में अपनी सरकारें होने का राग अलापती रहती है और उसके टुकडों पर पलने वाला गोदी मीडिया बिना वास्तविकता को जनमानस के सामने लाये उसकी चरण वंदना में पूरी बेशर्मी के साथ लगा रहकर जनता को झूठी और मनगढ़ंत खबरें परोसता रहता है, उससे लोगों के सामने वास्तविकता उजागर नहीं हो पाती है। उन्हें पता ही नहीं चल पाता कि मीडिया में दिखाए जा रहे और सरकारी घोषणाओं के फजीर्वाड़े से अलग वास्तविकता आखिरकार क्या है ? बहुत कम लोगों को जानकारी होगी कि मात्र लगभग 10 लाख की जनसंख्या और 11 जिलों वाले मिजोरम राज्य में 40 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा का केवल एक विधायक मात्र है और वह मिजो नेशनल फ्रंट के साथ मिलकर उसकी सरकार में मंत्री है। मिजो नेशनल फ्रंट एनडीए का भाग है। इस प्रकार भाजपा राज्य में डबल इंजन की सरकार का राग भी अलापती रहती है। लेकिन इसकी वास्तविकता मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा का प्रधानमंत्री को किया गया ट्वीट पूरी तरह से खोल देता है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री की मणिपुर हिंसा पर चुप्पी पर सवाल उठाने से हित हिंसा पर काबू पाने और सबका साथ सबका विकास जैसी सार्वजनिक रूप से की जाने वाली घोषणाओं की धरातलीय सत्यता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाये हैं और प्रधानमंत्री को ऐसा करने में पूर्ण रूपेण असफल करार दिया गया है। जिससे यह तथ्य भी सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है कि डबल इंजन की सरकार की भाजपा की घोषणा केवल निराधार बतकही से अधिक कुछ भी नहीं है। मणिपुर इसकी पूरी तरह से तस्दीक करता है। जोरमथंगा ने इसकी परिणीति देश के लिये ठीक न होने का जो इशारा अपने ट्वीट के जरिए किया गया है। उसको अत्यंत गंभीरता से लेकर उस राज्य को 1986 में राजीव गांधी सरकार द्वारा किये गये समझौते के बाद लौटी शांति को यथावत बनाये रखना बहुत जरूरी है। परन्तु विगत 28 मई, 2023 को राज्य के दौरे पर जाने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जिस प्रकार से स्वयं की शुरू आती घोषणाओं के हवाई किले साबित होने के बाद अब उस सीमावर्ती राज्य के बारे में कम-से-कम खुले रूपमें पूरी तरह से चुप्पी साध ली है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित संपूर्ण केंद्रीय मंत्रिमंडल को कोई भी सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल सहित कोई भी जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारी अब मणिपुर की वर्तमान स्थिति के बारे में मुंह खोलने तक को तैयार नहीं है, उसने भाजपा नेतृत्व की अक्षमता का सारे देश के सामने पूरी तरह से उजागर कर दिया है और यह सिद्ध हो गया है कि खुद को विश्वगुरू और विश्व का सर्वाधिक शक्तिशाली नेता एवं विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि बताने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की क्षमता पूर्वोत्तर भारत में हिंसा की आग को बुझा पाने की कदापि नहीं हैं।

उमाशंकर पटवा, संपादक.

मेरी जुबान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक जयकिशोर वर्मा द्वारा जीवनदीप प्रिन्टर्स, जोड़ी बंगला, लखीमपुर खीरी से मुद्रित एवं "मेरी जुबान" हिन्दी दैनिक कार्यालय जिला पंचायत प्रागण गेट नं. 02, लखीमपुर खीरी-262701 उ.प्र से प्रकाशित
मो.99199596972
E-mail : merijuban@gmail.com
Website : www.merijuban.com
संपादक: उमाशंकर पटवा
मो. 9411081671

लोकतंत्र के लिए असुरक्षित माहौल

महाराष्ट्र का सियासी संकट बढ़ता ही जा रहा है। एक साल पहले जिस तरह से शिवसेना को तोड़कर भाजपा ने शिंदे गुट के साथ मिलकर न केवल सरकार बनाई, बल्कि सत्ता अपनी ओर मिला ही लिया। यह दीवार पर लिखी इबारत की तरह इस बात को साफ-साफ पढ़ा जा सकता है कि भाजपा का तोड़-फोड़ का यह खेल महाराष्ट्र की सत्ता पर का हिस्सा बनने से गुरेज नहीं किया। अब अपनी ही बनाई पार्टी पर अधिकार के लिए उन्हें लड़ाई लड़नी पड़ रही है। शरद पवार ने अजित पवार समेत कई विधायकों पर साथ हाथ मिलाकर भाजपा ने एक बार फिर फूट डालो और राज करो की चाल चली है। लेकिन यह चाल देश के लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। 27 मई 1996 को जब अटल

बिहारी वाजपेयी की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, तो संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण में वाजपेयीजी ने कहा था-श हम सत्ता के लोभ में गलत काम करने को तैयार नहीं हैं। ... अगर पार्टी तोड़ कर, सत्ता के लिए नया गठबंधन करने से सत्ता हाथ में आती है तो मैं ऐसी सत्ता को चिमटे से भी छूना नहीं चाहता।श इसके बाद एनडीए के पास बहुमत ना होने के कारण अटल बिहारी वाजपेयी की 13 दिन की सरकार गिर गई थी। वाजपेयी जी ने अपने भाषण में तब शरद पवार के कांग्रेस छोड़ने का जिक्र भी किया था। कौन जानता था कि 27 साल बाद इतिहास एक नए रूप में देखने मिलेगा। दरअसल वाजपेयी काल की भाजपा से 2014 के बाद वाली भाजपा बहुत अलग हो चुकी है। अब सत्ता के लिए विचारधारा को परे रखने और सुविधा के हिसाब से गठजोड़ करने या दलों को फूट डालने का काम भाजपा करने लगी है। बीते लगभग एक दशक में विधायकों की कथित खरीद फरोख्त और श्ऑपरेशन कमल्य जैसे शब्द देश के सियासी शब्दकोष में शामिल हो गए हैं। वैसे तो आया राम गया राम का खेल 1967 से ही चल रहा है। हरियाणा में गया लाल ने 1967 में एक ही दिन में तीन बार पार्टी बदली थी, लेकिन तब दल बदल या विरोधी खेमे में शामिल होने को इतनी सहज स्वीकार्यता नहीं थी, जैसी अब हो गई है। राजनेता सत्ता और पद के लिए ऐसा करते हैं, और इसके लिए विचारधारा को परे रखते हैं, यह बात तो समझ आती है। लेकिन सवाल ये है कि जनता की मानसिकता इस दौर में किस तरह बदल दी गई है। क्या नेताओं के साथ-साथ जनता ने भी वैचारिक समझौता करना सीख लिया है। दलबदल करने वाले नेताओं को अगर जनता का साथ मिलने लगा है, तो यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरे की निशानी है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार भारत को लोकतंत्र की जननी कहते हैं। यह बात काफी हद तक सही भी है, क्योंकि भारत के प्राचीन इतिहास में गणराज्यों का उल्लेख है। लेकिन मौजूदा राजनीति में केवल प्राचीन विरासत के गौरवगान से बात नहीं बनेगी। भविष्य के लिए कैसी मिसाल तैयार की जा रही है, यह भी देखना होगा। अभी उनके 9 सालों के कार्यकाल में 8 बड़ी राजनैतिक फूट देखने मिली है। 2014 में उत्तराखंड में कांग्रेस के 9 विधायक टूट कर भाजपा में गए, 2015 में हिमंता बिस्वासरमा कांग्रेस में शामिल हुए, 2016 में अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू समेत 33 विधायक भाजपा में शामिल हुए, 2017 में कांग्रेस विधायकों के साथ से मणिपुर में भाजपा ने सरकार बना ली, 2018 में कांग्रेस में जेडीएस और कांग्रेस की गठबंधन सरकार के विधायकों को तोड़कर भाजपा ने सत्ता हथियाई, 2020 में मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया से बगावत करवाकर कांग्रेस की सरकार भाजपा ने गिरवाई, 2022 में महाराष्ट्र में शिवसेना में फूट डालकर भाजपा सत्ता में आई, और इस साल 2023 में एनसीपी में भाजपा के कारण फूट पड़ी। इसके अलावा और भी कई नेताओं को भाजपा ने तोड़कर अपने खेमे में शामिल किया है। दल बदल का यह खेल अगले साल के चुनाव तक जारी रहेगा। हो सकता है इससे भाजपा मजबूत हो और उसकी विरोधी पार्टियों के सामने असुरक्षा का खतरा मंडराए। लेकिन असल में इससे देश का लोकतंत्र असुरक्षित हो रहा है, इस बात पर सभी राजनैतिक दलों और जनसेवा के नाम पर राजनीति करने वालों को सोचना होगा।

में बने रहने के लिए देवेंद्र फड़नवीस को उपमुख्यमंत्री तक बना दिया, लगभग वैसा ही खेल फिर से खेला और इस बार मोहरा बनाया गया अजित पवार को। दरअसल शिवसेना में फूट के बाद भी महाविकास अगाड़ी गठबंधन भाजपा के लिए चुनौती बना हुआ था। क्योंकि इसमें शरद पवार जैसे दिग्गज नेता हैं। शरद पवार को कमजोर करने के लिए भाजपा ने एनसीपी में फूट डालने की अपनी कोशिशें तेज की और आखिरकार अजित पवार को पकड़ मजबूत करने के अलावा अगले आम चुनावों में विपक्षी खेमे को कमजोर करने के लिए भी है। क्षेत्रीय दलों को पहले अपने साथ मिलाओ, फिर उनमें फूट डालो यह सियासी खेल अब काफी जाना पहचाना हो चुका है। लेकिन इस बार भाजपा का मुकाबला शरद पवार से हुआ है। शरद पवार खुद कांग्रेस से अलग हुए थे। लेकिन तब मसले दूसरे थे। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 27 सालों में काफी मजबूत कर दिया और जरूरत हुई तो यूपीए कार्रवाई की है। दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पर इस मसले को लेकर बुलाई जिसे अजित पवार ने गैरकानूनी करार दिया, क्योंकि अब वे पार्टी पर अपना अधिकार मान रहे हैं। वैसे शरद पवार ने ये संकेत भी अपने समर्थकों को दे दिए हैं कि जरूरत हुई तो तीन महीने के भीतर नए सिरे से पार्टी खड़ी कर देंगे। यानी अभी ये तय नहीं है कि एनसीपी पर असली हक किसका होगा। लेकिन इतना तो नजर आ ही रहा है कि अजित पवार के

डाटा सरक्षण विधेयक

पिछले कुछ वर्षों से बैंक, बीमा, क्रेडिट कार्ड से जुड़ा डाटा लीक होने कारण ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर लोगों का भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। कम्पनियों ने भारत में किसी ठोस कानून के अभाव में खुलेआम मनमानी की है। डाटा को आज की दुनिया में खरा सोना कहा जाता है। अगर किसी देश का सोना ही चोरी होता रहे तो फिर कम्पनियां अपनी मनमानी तो करेंगी ही। पिछले दिनों को-विन एप के जरिये स्टोर हुए लोगों के निजी डाटा लीक हो जाने की खबरें भी आई थी। यद्यपि सरकार ने को-विन एप को अति सुरध्क्षित बताया था और डाटा लीक होने की खबरों को बेबुनियाद करार दिया था लेकिन एक दक्षिण भारतीय वेबसाइट पर नेताओं और अन्य लोगों की निजी जानकारियों के स्क्रीनशॉट्स प्रकाशित हो गए थे। कुछ माह पहले दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का सर्वर भी हैक कर लिए जाने की खबरें आई थी। हैकर कई बार महत्वपूर्ण मंत्रालयों के आंकड़ों में भी सेंध लगाने की कोशिश कर चुके हैं। लोगों का व्यक्तिगत डाटा बाजार में काफी महंगा है। निजी डाटा की सुरक्षा को देखते हुए केन्द्रीय मंध्त्रिमंडल ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दे दी है और इस विधेयक को संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। केन्द्र निजी डाटा उपयोग पर पहले भी विधेयक ला चुका है। हालांकि तब विपक्ष के भारी विरोध के चलते इसे वापस लेना पड़ा था। क्योंकि उस विधेयक के कई प्रावधानों पर गंभीर आपत्तियां जताई गई थी और यह भी आरोप लगाया गया था कि सरकारी एजेंसियां इसका दुरुपयोग कर सकती हैं। विधेयक के नियमों में उल्लंघन की प्रत्येक घटना के लिए संस्थाओं पर 250 करोड़ रुपये तक का जुमार्ना लगाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा, ह्यमंत्रिमंडल ने डीपीडीपी विधेयक के मसौदे को मंजूरी दे दी है। इसे आगामी सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। विधेयक में पिछले मसौदे के लगभग सभी प्रावधान शामिल हैं जो इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्यागिकी मंत्रालय की ओर से परामर्श के लिए जारी किए गए थे। सूत्र ने कहा, ध्प्रस्तावित कानून के तहत सरकारी इकाइयों को पूर्ण छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, विवादों के मामले में डेटा संरक्षण बोर्ड फैसला करेगा। नागरिकों को सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर मुआवजे का दावा करने का अधिकार होगा। बहुत सी चीजें हैं जो धीरे-धीरे विकसित होंगी। सूत्र ने कहा कि कानून लागू होने के बाद व्यक्तियों को अपने डेटा संग्रह, भंडारण और प्रसंस्करण के बारे में विवरण मांगने का अधिकार होगा। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के डाटा को इस कानून के दायरे में रखा गया है। विदेश से भारतीय नागरिकों की प्रोफाइलिंग करने जैसे मामले, सामान या सेवाएं देने जैसे मामलों में भी यह कानून लागू होगा। व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक एक ओर डिजिटल नागरिक के अधिकारों और कर्त्तव्यों को निर्धारित करता है तो दूसरी ओर कम्पनियों के घ्एकत्रित डाटा का कानूनी रूप से उपयोग करने के दायित्वों को निर्धारित करता है। यह विधेयक डाटा अर्थव्यवस्था के छह सिद्धांतों पर आधारित है जिनमें से पहला भारत के नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा के संग्रह और उपयोग के बारे में है। व्यक्तिगत डाटा का संग्रह और उपयोग वैध होना चाहिए, उल्लंघन से संरक्षित किया जाना चाहिए और पारदर्शिता बनाए रखी जानी चाहिए। दूसरा सिद्धांत डाटा संग्रह अभ्यास के बारे में बात करता है जो कानूनी उद्देश्य के लिए होना चाहिए और उद्देश्य पूरा होने तक डाटा को सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाना चाहिए। तीसरा सिद्धांत कहता है कि केवल व्यक्तियों का प्रासंगिक डाटा एकत्र किया जाना चाहिए और पूर्व-निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति ही एकमात्र उद्देश्य होना चाहिए।

भाग दो : मापदंडों से फिसलते पत्रकारों/सम्पादकों की भूमिका से मीडिया की धूमिल होती छवि

फिर कहिए कि सुधरते क्यों नहीं। इसमें दो बातें हैं, पहली यह कि सुधरना इनके हाथ में नहीं है। इनको एक व्यवसाय चलाना है, जिसके लिए हर सप्ताह इनकी रेटिंग आती है। फिर उसके हिसाब से प्रोग्रामिंग होती है। जबकि मीडिया कोई एंटरटेनमेंट चैनल तो है नहीं कि वह प्रोग्रामिंग करे। उसको तो खबरें आती हैं, तो उसको दिखाना है या फिर चर्चा करानी है। यहाँ जब डेमोग्राफिक्स, रेटिंग, लहर, आँधी आदि के हिसाब लगाए जाते हैं तो देखना पड़ता है कि किस बात की रिपोर्टिंग कैसे हो और किस खबर को कैसे दिखाया जाए। दूसरी बात यह है कि यह बहुत ही आसानी से यह कह देते हैं कि लोग यही देखना चाहते हैं। वाचडॉग वाली जिम्मेदारी लोगों में नहीं है ,बल्कि वह मीडिया की है। इसलिए लोगों को निर्धारित करने का हक नहीं देना चाहिए कि उसको बकरी द्वारा एलियन का दूध पीते देखना जरूरी है, या दो हजार के नोट में इलेक्ट्रॉनिक चिप की या फिर किसी की हत्या पर कोर्ट के फैसले से पहले अपने फैसले थोपने की। यह मीडिया को तय करना है कि वह समाज को क्या दिखाना चाहता है। बड़े, मूर्धन्य पत्रकार खुद स्वीकारते रहते हैं कि हमारा तो मनोरंजन वाला काम हो गया है, जबकि यह कहने से पहले उनको नैतिकता के आधार पर नौकरी छोड़ देनी चाहिए। आपसे नैतिकता की आशा की जाती है, क्योंकि आप उस जगह पर हैं जहाँ से आप एक स्टैंड ले सकते हैं। आपके हाथ में है कि लोग क्या देखें, लेकिन आप अपने व्यावसायिक बिंदु पर सर्वाधिक केंद्रित रहते हैं। समझदार लोग, जो जानते हैं कि किस खबर को कैसे दिखाने से क्या होगा, जब एडिटर्स मीटिंग में बोलते हैं कि ह्यहाँ, यह वाला एंगल सही रहेगाह्व, खबर की मौत तभी हो जाती है। जब आपके सामने एक चार्ट पड़ा होता है जिसमें पता चलता है कि हिन्दू-मुसलमान वाली खबरों को दिखाने से लोग पढ़ते हैं, तो आपको पत्रकारिता में मसीहाई पाने की ख़्वाहिश नहीं करनी चाहिए। आपने उस खबर के प्रभाव को पहले ही तय कर दिया कि उसका क्या होगा,जबकि आपका काम सिर्फ खबर दिखाना है, उसके विश्लेषण निकालकर जैसे ह्व मुस्लिम की हत्या मुंबई के हिन्दू बहुल इलाके में ह्व बनाने से उसकी मंशा का पता चलता है। आजकल मंशा का पता लगाना बहुत जरूरी है, क्योंकि उसी से पता चलता है कि मीडिया इंसाफ की बात कर रहा है या फिर इसको टीआरपी चाहिए। जहाँ किसी मामले में बच्ची का बलात्कार ह्वमुसलमान/हिन्दूह्व बच्ची के बलात्कार में बदल जाता है, खबर वहीं दम तोड़ देती है, क्योंकि फिर मीडिया का लोगों के सोचने-समझने के तरीके पर कब्जा करने जैसा हो जाता है। जब तक यह साबित न हो जाए कि किसी अपराध के लिए किसी का किसी धर्म या जाति से होना उस अपराध के होने का कारण था, तब तक मीडिया को ऐसी हेडलाइंस देने से बचना चाहिए। किसी व्यक्ति का पीड़ित होना अगर उसकी जाति के आधार पर है फिर भी हेडलाइन में उसे लिखना उचित नहीं है। इस पर थोड़ा और कहा जाए तो मतलब यह है कि लोग हेडलाइन पढ़कर खबरों के बारे में एक धारणा बना लेते हैं। उनके सोचने-समझने का रास्ता तैयार हो चुका होता है। मीडिया उनके घृणा या पूर्वाग्रहों को हवा दे चुके होते हैं। जबकि मीडिया को हर ऐसे मौके पर, हर ऐसी खबर के कवरेज में, जिम्मेदारी निभाते हुए हैडलाइन को ऐसे रखना चाहिए कि यह सिर्फ एक अपराध है, जो नहीं होना चाहिए। खबर की पूरी डिटेल बताने के बाद आगे यह बताना चाहिए कि पुलिस इस बात की छानबीन कर रही है कि क्या जाति/धर्म से प्रेरित होकर इस अपराध को अंजाम दिया गया। यह जिम्मेदारी मीडिया की है, लेकिन आज के दौर में मीडिया बाइनरी में कार्य कर रहा है। उसके लिए हर बात सत्ता के पक्ष या विपक्ष में होती है। बिजली आने पर एक हिस्सा भारत के अमेरिका बन जाने की हद तक खुश हो जाता है, वहीं दूसरा हिस्सा पूरी योजना को मटियामेट करने की कोशिश करते हुए चार गाँव ऐसे दिखाता है,जहाँ अभी बिजली पहुंची ही नहीं है। खबर आएगी कि सरकार ने इतनी सड़कें बनवाईं, तो रिपोर्टर्स को सड़के दिखाने की बजाए ऐसी सड़के ढूँढ लाने का काम मिलता है जिसमें गड्ढे हों और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हों। खबरों के माध्यम से यह बताया जाता है कि अमुख सरकारी योजना आने से इतने गरीबों को फायदा हुआ है, तो रिपोर्टर्स यह खोजने के लिए दौड़ते हैं कि इसी इलाके की एक औरत है जिसे सिलिंडर नहीं मिला। किसी को इससे कोई मतलब नहीं रहता है कि उस औरत को वह सुविधा क्यों नहीं मिली। किसी को इससे कोई मतलब नहीं कि जिस सड़क पर गड्ढे हैं,वे अभी हुए या उस पर काम हुआ ही नहीं। कहने का मतलब यह है कि भारत जैसे बड़े देश में आप जिस तरह की खबर ढूँढना चाहें उस तरह की खबर आपको मिल जाएगी। आपको जो दिखाना है, वह आपके रिपोर्टर्स लाकर दिखा देंगे। क्या आपको लगता है कि किसी योजना की आलोचना का मतलब यही है कि उसकी सारी खामियाँ गिना दी जाएँ और फायदों पर बात ही न की जाए! आपने एक घर बनाया, गृह प्रवेश का भोज किया और लोग गिन-गिनकर यह कहने लगें कि खिड़की का रंग अच्छा नहीं है,चूना पसर गया है, बाथरूम के नल में फ्लो नहीं है और इन तीन चीजों के छिद्रान्वेषण के आधार पर एक अच्छे घर को बुरा मान लिया जाए? मैं यह मानता हूँ कि मीडिया का काम सत्ता की आलोचना करना ही नहीं है। यह एक वाहियात और अपनी एकतरफा रिपोर्टिंग को जस्टिफाय करने वाली बात है। यह एक धूर्त आदमी का बयान है,ताकि लोग उसे महान मानें। जब मैंने ही तय कर दिया है कि पीला रंग सबसे खूबसूरत है और मैं पीले रंग की ही शर्ट पहनता हूँ, तो फिर मुझे गलत कौन कहेगा! मीडिया का काम सत्ता की आलोचना तक ही सीमित नहीं है। मीडिया का काम आम आदमी तक सही सूचना पहुँचाना है और दूसरा काम विवेचना है। विवेचना और चर्चा सिर्फ नाकामियाँ और खोट गिनाने के लिए नहीं होती और न ही सिर्फ हर बात को देवत्व के स्तर पर ले जाकर बताने के लिए होती है। जहाँ सत्ता सही कर रही है, जिस अनुपात में कर रही है, उसी अनुपात में आलोचना और विवेचना भी होनी चाहिए।

सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर नन्द लाल वर्मा, मोबाइल नंबर : 9415461224, लखीमपुर-खीरी।

वजन घटाने से लेकर आपको स्वस्थ रखने तक के लिए कौन सा डाइट प्लान सबसे अच्छा? मिल गया जवाब

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह देते हैं। वजन घटाने से लेकर डायबिटीज-हृदय रोग जैसी क्रोनिक बीमारियों के खतरे को कम करने तक में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। जिन लोगों का वजन बढ़ जाता है वो इसे कम करने के लिए कई प्रकार के डाइट प्लान को अपनाना शुरू कर देते हैं। डैश डाइट, गोलो डाइट आदि इन दिनों काफी चर्चा में है, पर कौन सा आपके लिए सबसे फायदेमंद हो सकता है? किस डाइट प्लान को अपनाने से आप संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ पा सकते हैं? इस बारे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्पष्ट कहते हैं, डाइट प्लान को लेकर अक्सर लोगों के मन में यह सवाल बना रहता है कि हमारे लिए सबसे फायदेमंद कौन सा है? इसका सीधा जवाब है- 'दियर इज नो वन साइज फिट फॉर ऑल' मतलब सभी लोगों के लिए कौन सा डाइट प्लान सबसे बेहतर है ये निर्धारित नहीं किया जा सकता है। हर व्यक्ति के शरीर की आवश्यकता, उम्र, स्वास्थ्य के आधार पर यह अलग-अलग होती है।

हर किसी के डाइट की जरूरत अलग

कौन सा डाइट प्लान आपके लिए सबसे बेहतर है, इसे समझने के लिए अमेरिका में अध्ययन किया गया। कई स्तर पर किए गए शोध में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने कहा- हमें किसी के देखा-देखी कोई भी डाइट प्लान कभी भी नहीं शुरू करना चाहिए। जरूरी नहीं है कि हमारे परिवार में ही अगर किसी को किसी खास प्लान से लाभ मिल रहा है तो आपको भी उससे फायदा होगा। हर व्यक्ति की अपनी खाद्य आवश्यकता अलग-अलग होती है।

किस तरह के आहार का करें चयन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आपके लिए सबसे अच्छा आहार वह है जो आपकी व्यक्तिगत जरूरतों और स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह वास्तव में आपके लिए बिल्कुल फायेदमंद नहीं है अगर हम आपको ऐसी चीजें खाने के लिए कहें जिन्हें आप खाना पसंद नहीं करते हैं। ज्यादातर डाइट प्लान के साथ यही दिक्कत है, हमें न चाहते हुए भी कई चीजों का सेवन करना पड़ता है। पर वास्तव में अगर आपका मन संतुष्ट नहीं है तो आपको लाभ मिल ही नहीं सकता।

वजन को कैसे कम करें?

अगर आप किसी डाइट प्लान का पालन भी करना चाह रहे हैं तो सबसे पहले अपने सेहत की जांच कराएं और उसी के आधार पर डॉक्टर की सलाह पर ही डाइट प्लान को अपनाएं। जहां तक बात स्वस्थ वजन बनाने की है, सुनिश्चित करें कि आपको आहार से तीन मुख्य मैक्रोन्यूट्रिएंट्स- प्रोटीन, वसा और काबोर्हाइड्रेट, संतुलित रूप से मिले। आहार में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं, प्रोसेस्ड, जंक-फास्ट फूड का सेवन कम करें। इन बातों का ध्यान रखकर आप वजन कम कर सकते हैं। अमूमन सभी डाइट प्लान में इन्हीं बातों पर जोर दिया जाता रहा है।

बेली फैट कम करने के लिए डाइट?

दुर्भाग्य से, ऐसा कोई भोजन नहीं है जो पेट की चर्बी को दूर कर सके। सामान्य तौर पर, खाने की वह आदतें जो समग्र रूप से वजन कम करती हैं वह पेट की चर्बी घटाने में भी मदद कर सकती हैं। लो शुगर, लो फैट वाली चीजों को आहार का हिस्सा बनाएं। अच्छे प्रोटीन स्रोत, साबुत अनाज और अनसेचुरेटेड फैट वाला भोजन करें। शरीर को फिट रखने के लिए सबसे बड़ा मूल मंत्र है- आप रोज जितनी कैलोरी ले रहे हैं, उससे अधिक बर्न करें। ये न सिर्फ वजन घटाने में लाभकारी है साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है।

अमरनाथ से भी ज्यादा कठिन है श्रीखंड महादेव की यात्रा

अमरनाथ यात्रा को हिंदू धर्म में सबसे प्रमुख धार्मिक यात्राओं में गिना जाता है। अमरनाथ की यात्रा काफी दुर्गम और कठिन मानी जाती है, लेकिन विश्व की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक श्रीखंड महादेव की यात्रा है। श्रीखंड महादेव की यात्रा पर जाने की तैयारी है तो यह खबर आपके काम की है। 7 जुलाई से श्रीखंड महादेव की यात्रा शुरू हो रही है। यह स्थल हिमाचल प्रदेश में है, जहां दुर्गम क्षेत्रों से होते हुए जा सकते हैं। इस स्थान का धार्मिक महत्व भी है। श्रीखंड महादेव के दर्शन धार्मिक यात्रा के साथ ही रोमांचक सफर का भी

अनुभव देगा। इस जोखिम भरी यात्रा को 32 किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई चलनी पड़ती है।

श्रीखंड महादेव यात्रा

श्रीखंड महादेव 18570 फीट ऊंचाई पर स्थित है, यहां पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 32 किलोमीटर पैदल यात्रा करनी पड़ती है। इस दौरान ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। कहा जाता है कि अमरनाथ यात्रा से ज्यादा कठिन यह यात्रा है।

क्यों प्रसिद्ध है श्रीखंड महादेव

मान्यता है कि भस्मासुर भगवान शिव को मारने के लिए उनके पीछे पड़ गया। इस पर माता पार्वती राक्षस के डर से रो पड़ी। उनके आंसुओं से यहां नयन सरोवर का निर्माण हुआ, जिसकी एक धारा 25 किलोमीटर नीचे भगवान शिव की गुफी निरमंड के देव ढांक तक गिरती है। कहते हैं कि वनवास के दौरान पांडव इसी स्थान पर रुके थे।

कैसे करें श्रीखंड महादेव की यात्रा

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले से यात्रा की शुरूआत होगी। 32 किलोमीटर की पैदल यात्रा के दौरान कठिन मार्ग और ग्लेशियर से होकर गुजरना पड़ेगा। रास्ते में मेडिकल और भंडारे की सुविधा मिलती है। यात्रा को पूरा करने में पांच से छह दिन का वक्त लगता है। पार्वती बाग से श्रीखंड महादेव तक बफीर्ला रास्ता पैदल चलने के लिए बनाया गया है। यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी दी गई है। कुल्लू के आनी के जाओं में बेस कैंप बनाया गया है। इसके अलावा 4 जगह कैंप लगाए गए हैं।

बारिश में फिसलने का रहता है डर तो पहनें इस तरह के फुटवियर

मानसून का मौसम शुरू हो गया है। बारिश का इंतजार लोग साल भर करते हैं। बारिश के इस मौसम में वैसे तो काफी राहत मिलती है, पर अपने साथ ये मौसम कई तरह की परेशानी लेकर आता है। जिस तरह से बारिश में लोग अपनी स्किन और बालों का ध्यान रखते है, ठीक उसी तरह से

बारिश के मौसम में कपड़े पहनने के लिए भी लोगों को कुछ बातों का ध्यान रखना पड़ता है। कपड़ों के साथ-साथ लोग बरसात के मौसम में फुटवियर का भी खास ध्यान रखते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बारिश में रपटने का काफी डर होता है। अगर बारिश के मौसम में आपको भी फिसलने का डर लगा रहता है तो आपको कुछ खास तरीके की फुटवियर पहननी चाहिए। आज के लेख में हम आपको बारिश के लिए ही खास तरह के फुटवियर के बारे में बताएंगे ताकि आप भी उसे पहन कर आराम से घूमने जा सकें।

फ्लोटर्स रहते है परफेक्ट

शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा जिसने फ्लोटर्स ना पहने हों। आजकल इसका ट्रेंड भी काफी चल रहा है। अगर आप चाहें तो बरसात के मौसम में फ्लोटर्स पहन कर आराम से घूमने जा सकते हैं और इसे पहनकर आपको फिसलने का डर नहीं होगा।

क्रॉक्स

आपने युवाओं के मुंह से अक्सर क्रॉक्स का नाम सुना होगा। क्रॉक्स काफी ज्यादा आरामदायक होते हैं। इससे पहनने के बाद आपके पैरों में पानी नहीं रुकेगा और पैर जल्दी सूख जाएंगे। ये काफी कंफर्टेबल होते हैं साथ ही इसके अलग-अलग डिजाइन कही भी आसानी से मिल जाते हैं।

स्नीकर्स

अक्सर लोग बारिश के मौसम में जूते पहनने से कतराते हैं, जबकि स्नीकर्स बारिश के मौसम में काफी आरामदायक होते हैं। बस स्नीकर्स खरीदते वक्त ध्यान रखें कि ये डार्क रंग के ही हों।

फ्लिप-फ्लॉप

फ्लिप-फ्लॉप को आप किसी भी कपड़े के साथ पहन सकते हैं। ये काफी स्टाइलिश लगते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए ये हैं दो सबसे आवश्यक पोषक तत्व

हृदय की बिगड़ती जा रही सेहत मौजूदा समय में सबसे चर्चित विषय है। कम उम्र में ही लोग हृदय रोगों के शिकार हो रहे हैं। हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण यह खतरा बढ़ गया। कोरोना महामारी की विपरीत परिस्थितियों और वायरस के दुष्प्रभावों ने भी हृदय के कार्यों को प्रभावित किया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हृदय रोगों के बढ़ते मामले के लिए आहार में पौष्टिकता की कमी भी एक खतरा है। ज्यादातर लोगों के आहार में पर्याप्त पोषण नहीं है जो हृदय के लिए आवश्यक माने जाते हैं। इसके अलावा आहार में नमक और चीनी की अधिकता ब्लड प्रेशर और हृदय स्वास्थ्य से संबंधित जटिलताओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। हृदय को स्वस्थ रखने में आहार की विशेष भूमिका होती है।

आहार की विशेष भूमिका

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जंक-फास्ट फूड्स, खाने के तेल में अशुद्धि और सोडियम की अधिकता वाली चीजें हृदय के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती हैं। शोधकताओं ने पाया कि प्लांट बेस्ड आहार और डैश डाइट जैसे डाइट प्लान को अपनाकर हृदय को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है। जिन दो पोषक तत्वों को सबसे आवश्यक माना गया है वह हैं पोटेशियम और मैग्नीशियम। सभी लोग अपने भोजन में इन पोषक तत्वों से भरपूर चीजों का सेवन जरूर सुनिश्चित करें।

पोटेशियम आपकी धमनियों को रखता है स्वस्थ

पोटेशियम आपके शरीर के लिए एक अतिआवश्यक खनिज है जो नसों और मांसपेशियों को बेहतर तरीक से काम करने में मदद करता है। अध्ययन में पाया गया है कि पेटेशियम युक्त चीजें धमनियों को सख्त होने से रोकने में मदद कर सकती हैं। धमनियों की कठोरता और संकीर्णता, हृदय में रक्त के प्रवाह को बाधित कर देती है जो हृदय संबंधी गंभीर समस्याओं का कारण बनती है। पोटेशियम युक्त खाद्य पदार्थों को रक्तचाप को कम करने, हृदय की लय को स्थिर रखने और कार्डियक अरेस्ट के जोखिम को कम करने में लाभकारी पाया गया है। सूखे मेवे (किशमिश, खुबानी) दाल,आलू, पालक, ब्रोकली, एवोकाडो और केले में पोटेशियम की अधिकता होती है। मैग्नीशियम से हृदय की मांसपेशियों का आराम मैग्नीशियम को अध्ययनों में आपके दिल की धड़कनों को व्यवस्थित रखने में मददगार पाया गया है। शोधकताओं ने पाया कि मैग्नीशियम हृदय की मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है ताकि आपका दिल ठीक से धड़क सके। इसके अलावा यह सेल मेंब्रेन्स में पोटेशियम और सोडियम के परिसंचार में भी मदद करता है, जो हृदय गति को ठीक रखने के साथ समग्र हृदय स्वास्थ्य को बेहतर रखने में मदद करता है। साबुत अनाज, मेवा (बादाम, काजू, पिस्ता, मूंगफली और अखरोट), पत्तेदार सब्जियां इस पोषक तत्व से भरपूर होती है। आहार में इन्हें जरूर शामिल करें।

चॉकलेट से घर पर बनाएं ये स्वादिष्ट पकवान, बच्चों के साथ बड़े भी खाकर करेंगे तारीफ

हर साल 7 जुलाई को विश्व चॉकलेट दिवस मनाया जाता है। चॉकलेट एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जिसका उपयोग खुशी के अवसरों पर मुंह मीठा करने के लिए किया जाता है। आज के समय में तो चॉकलेट को एक मिठाई के रूप में और उपहार के रूप में भी दिया जाने लगा है। वर्ल्ड चॉकलेट डे का इतिहास 1550 से शुरू होता है, जब यूरोप में इससे मीठे पेय पदार्थ बनाया गया। वर्ल्ड चॉकलेट डे का पहला आयोजन साल 2009 में हुआ था। समय बदलने के साथ-साथ अब बाजार में चॉकलेट के कई रूप उपलब्ध है। आप चाहे तो डार्क चॉकलेट खरीद सकते हैं या

फिर आप चॉकलेट केक, चॉकलेट कैंडी या फिर चॉकलेट से बनी कोई और अन्य चीज को किसी को उपहार के रूप में दे सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको चॉकलेट से बनें कुछ पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी वर्ल्ड चॉकलेट डे के दिन अपने घर में ये डिशेज बनाकर बच्चों को प्रसन्न कर सकें।

चॉकलेट केक

बच्चों को केक काफी पसंद होता है। ऐसे में अगर आप चाहें तो विश्व चॉकलेट दिवस के दिन अपने बच्चों के लिए चॉकलेट से बना केक तैयार कर सकती हैं। चॉकलेट केक बच्चों के साथ बड़ों को भी पसंद आता है।

चॉकलेट पुडिंग

इस विश्व चॉकलेट दिवस पर आप अपने करीबियों को सिर्फ चॉकलेट खिलाने की बजाए आप उनके लिए चॉकलेट पुडिंग भी बना सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है।

हॉट चॉकलेट

बच्चों को हॉट चॉकलेट पीना काफी पसंद आता है। इसके बहाने से बच्चे दूध का भी सेवन कर लेते हैं। हॉट चॉकलेट को हॉट कोको या ड्रिंकिंग चॉकलेट के नाम से भी जाना जाता है ।

चॉकलेट मग केक

चॉकलेट मग केक की इस रेसिपी को बनाने के लिए आपको सिर्फ 3 चार चीजों की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाना भी बेहद आसान है।

दिन में चार-पांच घंटे पढ़ता है बच्चा? मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूर सिखाएं ये योगासन

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा एक मार्ग की तरह है। शिक्षा प्राप्त करने बच्चे स्कूल जाते हैं। स्कूल में बच्चों को हर दिशा में निपुण बनाने के लिए कई विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। अक्सर बच्चे किसी विषय में कमजोर होते हैं, जिस पर उन्हें अधिक ध्यान लगाने की जरूरत होती है। वहीं कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होते हैं, जिसके लिए वह घंटे पढ़ाई करते हैं। हालांकि घंटों बैठकर पढ़ने से अक्सर बच्चों को अनिद्रा, आंखों में जलन, सिर दर्द या शरीर दर्द जैसी समस्या भी होने लगती हैं। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित न होने पाने की शिकायत भी आम है। अगर आपका बच्चा भी स्कूल व कोचिंग की घंटो क्लास लेता है, या अपने कमरे में बैठकर घंटों पढ़ाई करता है, तो उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ सकता है। बच्चे को शारीरिक तौर पर सक्रिय रहने की भी जरूरत होती है और मस्तिष्क को आराम देना भी जरूरी होती है। ऐसे में यहां कुछ योगासनों के बारे में जानकारी दी जा रही है। अगली स्लाइड्स में जानिए घंटों बैठकर पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए योग। **ध्यान केंद्रित करने के लिए योग**

पढ़ाई करते समय अक्सर बच्चों को ध्यान केंद्रित नहीं होता। इस कारण उनका मन भटकता रहता है और पढ़ाई में मन नहीं लगता। लगातार किताब लेकर बैठने का अर्थ पढ़ाई करना नहीं होता। बच्चा पढ़ाई पर फोकस कर सके, इसलिए वृक्षासन का अभ्यास कराएं। इस योग से शरीर का संतुलन बना रहता है और ध्यान एकाग्र करने में मदद मिलती है।

वृक्षासन के अभ्यास का तरीका

वृक्षासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए दाएं पैर को मोड़कर तलवे को बाएं पैर की जांघ पर रखें। इस स्थिति में संतुलन बनाएं और हाथों को जोड़ते हुए सिर के ऊपर ले जाते हुए नमस्कार की मुद्रा ले लें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें, बाद में दूसरे पैर से भी प्रक्रिया को दोहराएं।

आंखों को आराम देने के लिए योग

लगातार पढ़ाई से आंखों में दर्द होने लगता है और नजर कमजोर होने की शिकायत भी हो सकती है। आंखों को आराम देने और नजर तेज करने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से फेफड़ों, कानों और नाक पर भी असर होता है।

भस्त्रिका प्राणायाम का तरीका

इस आसन को करने के लिए सुखासन की मुद्रा में बैठकर गर्दन और रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें। अब शरीर को बिना हिलाए गहरी सांस लें और तेजी से दोनों नाक से आवाज करते हुए सांस छोड़ें।

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग

एक ही स्थान पर बैठकर घंटों पढ़ाई करने से शारीरिक सक्रियता कम होने लगती है। गलत पोजीशन में बैठकर पढ़ने या सिर झुकाकर पढ़ाई करने से पीठ व गर्दन में दर्द की समस्या हो जाती है। लगातार बैठे रहने के बजाए बीच में उठकर कुछ देर पैदल चलना चाहिए। साथ ही शारीरिक सक्रियता के लिए सर्वांगासन योग का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से हाथ-कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, याददाश्त तेज होती है और आंखों की रोशनी बढ़ती है और मस्तिष्क में एनर्जी का ग्लो बेहतर बनता है।

सर्वांगासन के अभ्यास का तरीका

इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों हथेलियों को नीचे रखें और पैरों को सीधे हवा में ऊपर उठाते हुए सिर की ओर मोड़ें।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

लखीमपुर खीरी, शनिवार 08 जुलाई, 2023

BCCI-रैना ने धोनी के लिए शेयर किया वीडियो,

पंत ने केक काटा, क्रिकटर्स ने इस तरह जताया प्यार

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे सफल कप्तानों में शुमार टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आज 42 साल के हो गए। माही ने न सिर्फ टीम इंडिया को विश्व चैंपियन बनाया बल्कि आईपीएल में उनका अभी भी जलवा कायम है। इसी साल उन्होंने अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स को रिकॉर्ड पांचवीं बार चैंपियन बनाया। फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ रवींद्र जडेजा ने दो गेंदों पर 10 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी और ट्रॉफी धोनी को डेडिकेट किया था। अब उनके बर्थडे पर भी जडेजा ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। सिर्फ जडेजा ही नहीं हार्दिक पांड्या और दुनियाभर के तमाम क्रिकटर्स और फैंस अपने पसंदीदा धोनी के लिए पोस्ट कर रहे हैं। जडेजा और हार्दिक ने ऐसे किया विश जैसे ही धोनी ने शुक्रवार को अपना 42वां जन्मदिन मनाया, जडेजा ने ट्विटर पर आईपीएल 2023 फाइनल की एक विशेष तस्वीर के साथ उन्हें शुभकामनाएं दीं। फाइनल के बाद धोनी को गले लगाते हुए एक तस्वीर के कैप्शन में जडेजा ने लिखा, ₹2009 से लेकर आज तक और हमेशा के लिए आप मेरा प्रेरण रहेंगे। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं माही भाई। जल्द ही सीएसके में मिलते हैं।₹ वहीं, हार्दिक ने धोनी के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- हैप्पी बर्थडे मेरे पसंदीदा माही। बीसीसीआई ने भी धोनी के लिए 70 सेकंड का स्पेशल वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में धोनी ताबड़तोड़ शॉट लगाते हुए दिख रहे हैं। बोर्ड ने कैप्शन में लिखा- कैप्टन, लीडर, लीजेंड। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और इस खेल की शोभा बढ़ाने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक एमएस धोनी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यहां सभी प्रशंसकों के लिए जन्मदिन का उपहार है। विंटेज एमएसडी का 70 सेकंड का वीडियो। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने लिखा, ₹भगवान आप पर अनंत आशीर्वाद बनाए रखें। जन्मदिन मुबारक हो। जन्मदिन मुबारक हो धोनी भाई।₹ वहीं, ऋषभ पंत ने धोनी के बर्थडे पर केक काटा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- माही भाई आप तो हो नहीं पास, लेकिन आपके लिए केट काट लेता हूं। हैप्पी बर्थडे। टीम इंडिया और सीएसके में धोनी के पूर्व साथी सुरेश रैना ने लिखा, ₹मेरे बड़े भाई धोनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं! पिच साझा करने से लेकर अपने सपने साझा करने तक, हमने जो बॉन्ड बनाया है वह अटूट है। एक लीडर और एक दोस्त के रूप में आपकी ताकत मेरी मार्गदर्शक रही है। आने वाला साल आपके लिए खुशी, सफलता और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आए। चमकते रहो, नेतृत्व करते रहो और अपना जादू फैलाते रहो धोनी।" टीम इंडिया से 2021 टी20 वर्ल्ड कप खेल चुके और धोनी की देखरेख में बढ़े मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने लिखा- थैंक यू माय लीडर, माय लीजेंड। वहीं, मयंक अग्रवाल ने धोनी को याद करते हुए एक अंग्रेजी कविता लिखी है। सीएसके ने भी धोनी को विश किया है। युजवेंद्र चहल ने भी धोनी के साथ तस्वीर शेयर की है। वहीं, चहल की पत्नी धनश्री ने स्पेशल मैसेज लिखा है। उन्होंने लिखा- हैप्पी बर्थडे माही भाई! एमएसडी धोनी थाला...कुछ शब्द जो बहुत सारी भावनाएं जगाती हैं। हमें यह सिखाने के लिए धन्यवाद कि चुनौतियां बाधाएं नहीं हैं बल्कि विकास के अवसर हैं। आप हमारी सच्ची प्रेरणा हैं। वहीं, फैंस ने भी धोनी का बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के नंदीगाम में धोनी को बड़े-बड़े कट आउट लगाए गए हैं। हैदराबाद में लगाया गया कट आउट 52 फीट ऊंचा है और उसमें वह भारतीय जर्सी में हैं, तो नंदीगाम में लगाया गया कट आउट 77 फीट ऊंचा है और इसमें माही चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में दिख रहे हैं।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का चैलेंज- किसी भी टीम से कहीं भी खेलने को तैयार

कराची। इस साल भारत में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। फैंस 15 अक्तूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले हाईवोल्टेज मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले मैच में करीब एक लाख 32 हजार दर्शकों के बीच यह मैच खेला जा सकता है। हालांकि, अभी

पाकिस्तान की टीम सरकार की अनुमति का इंतजार कर रही है। वहीं, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने सभी टीमों को खुला चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा है कि वह किसी भी टीम से कहीं भी खेलने को तैयार हैं। दरअसल, बाबर का यह बयान उस मामले के बाद आया है जब आईसीसी और बीसीसीआई ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग को ठुकरा दिया था। पीसीबी ने अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप मैच के वेन्यू को बदलने की मांग की थी। पीसीबी अफगानिस्तान से चेन्नई के चेपक में और ऑस्ट्रेलिया से बेंगलुरु के चिन्नास्वामी में नहीं भिड़ना चाहता था। साथ ही भारत के खिलाफ अहमदाबाद में भी नहीं खेलने की इच्छा जताई थी। हालांकि, आईसीसी ने सभी मांगों को ठुकरा दिया था। बाबर आजम ने कहा, ₹ मुझे फर्क नहीं पड़ता हम किस टीम से कौन से मैदान पर खेलते हैं। मुझे लगता है हम विश्व कप खेलने जा रहे हैं, केवल भारत के खिलाफ नहीं। हमारा ध्यान केवल एक (भारत) टीम पर नहीं हैं, वहां नौ और टीम होंगी जिन्हें हराकर ही हम फाइनल में पहुंच सकते हैं।₹ आईसीसी के वेन्यू बदलने की मांग को ठुकराने पर बाबर ने कहा, ₹एक पेशेवर खिलाड़ी होने के तौर पर, जहां भी क्रिकेट खेला जाएगा, जहां भी मैच होंगे, वहां पाकिस्तान की टीम जाएगी और खेलेगी। हम हर देश में हर परिस्थिति में प्रदर्शन करना चाहते हैं। अहमदाबाद के अलावा पाकिस्तान को हैदराबाद, चेन्नई, बैंगलुरू और कोलकाता समेत पांच मैदानों में मैच खेलने हैं।

शेयर बाजार का पूंजीकरण जीडीपी के करीब, पहली बार 301 लाख करोड़ के पार पहुंचा

नई दिल्ली। शेयर बाजार का पूंजीकरण पहली बार 300 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। यह अब सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब है। मार्च, 2023 में जीडीपी 3.75 लाख करोड़ डॉलर रही जबकि बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 3.62 लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया। भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत वृद्धि दिखाई है। पिछले साल से लेकर अब तक भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ी है।

विदेशी निवेशक इस साल भारतीय बाजार में जमकर पैसे लगा रहे हैं। आने वाले समय में भी जीडीपी की रफ्तार तेज रहने की उम्मीद है। नई कंपनियों का भी योगदान हर साल नई कंपनियों की सूचीबद्धता से भी पूंजीकरण में तेजी आई है। उदाहरण के तौर पर पिछले साल एलआईसी की सूचीबद्धता से 6 लाख करोड़ पूंजी बढ़ गई। अन्य कंपनियों के भी आने से पूंजीकरण पर सकारात्मक असर पड़ा। सेंसेक्स व निफ्टी फिर नई ऊंचाई?पर सेंसेक्स और निफ्टी बृहस्पतिवार को भी नई ऊंचाई?पर पहुंचकर बंद हुए।?घरेलू बाजार में लगातार विदेशी निवेश होने और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार को समर्थन मिला।?सेंसेक्स 339.60 अंक चढ़कर 65,785.64 के सार्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ।?दिन में एक समय 386.94 अंक तक उछल गया था।?निफ्टी 98.80 अंक की बढ़त के साथ 19,497.30 के अब तक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।?दिन में एक समय 113.7 अंक तक उछल गया था।? बाजार में तेजी से बीएसई पर सूचीबद्ध?कंपनियों की पूंजी 1.80 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 301.70 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई।?

बाजार में कमजोरी, सेंसेक्स 400 अंकों से अधिक टूटा, निफ्टी 19400 से फिसला

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बाद भारतीय शेयर बाजार भी शुक्रवार को लाल निशान पर खुले। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 226.23 अंकों की गिरावट 65,559.41 के साथ खुला। इस दौरान निफ्टी में भी लाल निशान पर ओपनिंग हुई। निफ्टी 74.5 अंको की गिरावट के साथ 19,422.80 अंकों के लेवल पर ओपन हुआ। हालांकि बाजार में निचले स्तरों पर खरीदारी दिखी। जिससे बाजार हरे निशान पर लौट गया। शुरूआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट के साथ 82.68 रुपये के लेवल पर कारोबार करता दिखा। जून तिमाही में मजबूत वृद्धि के कारण टाइटन निफ्टी का टॉप गेनर रहा, शेयर 3% तक उछले अमेरिका में उम्मीद से मजबूत नौकरियों के आंकड़ों आने के बाद बाजार में गिरावट दर्ज की गई। वॉल स्ट्रीट के शेयरों के टूटने और ट्रेजरी यील्ड बढ़ने के साथ प्रमुक्ष भारतीय शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। जून तिमाही में सालाना आधार पर 20% की मजबूत बिक्री वृद्धि के कारण टाइटन के शेयर 3% तक उछले और यह निफ्टी इंडेक्स के टॉप गेनर के रूप में कारोबार करता दिखा। आइडिया फोर्ज के शेयरों की बंपर लिस्टिंग, आईपीओ में किया गया निवेश हुआ डबल आईपीओ के बाद आइडिया फोर्ज के शेयरों की शुक्रवार को बीएसई और एनएसई पर बंपर लिस्टिंग हुई।

42 साल के हुए चेन्नई के कप्तान धोनी

1000 करोड़ से ज्यादा है 'रांची के राजकुमार' की नेटवर्थ

नई दिल्ली। भारत के महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सात जुलाई (शुक्रवार) को 42 साल के हो गए। 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले धोनी आईपीएल में अभी भी खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले सीजन में चेन्नई को चेन्नई बनाया था। धोनी की कप्तानी में चेन्नई की टीम पांचवीं बार चैंपियन बनी थी। भारत को टी20 विश्व कप, वनडे विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी दिलाने वाले कप्तान धोनी सिर्फ क्रिकेट के मैदान के हीरो नहीं हैं, बल्कि मैदान से बाहर भी उनका उतना ही जलवा है। धोनी ने क्रिकेट की दुनिया में जो कुछ हासिल किया है, उसका सपना सभी देखते हैं, लेकिन किसी का सपना इस कदर नहीं पूरा हुआ, जैसे धोनी ने किया। वह तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। रांची से निकलकर दुनिया पर छा जाने वाले धोनी का नेटवर्थ 1000 करोड़ से ज्यादा है। आईपीएल के पहले सीजन में सबसे खिलाड़ी बनने वाले धोनी को अभी चेन्नई सुपरकिंग्स से 12 करोड़ रुपये सैलरी के तौर पर मिलते हैं। इसके अलावा इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने विभिन्न व्यवसायों में निवेश करके अपनी संपत्ति बढ़ाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धोनी का नेटवर्थ 1070 करोड़ रुपये है। सलाना करीब 50 करोड़ कमाते हैं धोनी माना जा रहा है कि

धोनी हर महीने चार करोड़ रुपये कमाते हैं। वह साल भर में करीब 50 करोड़ रुपये कमा लेते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भले ही संन्यास ले लिया हो, लेकिन वह आईपीएल में खेल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़ने के बाद वह दो बार आईपीएल में चेन्नई को चैंपियन बना चुके हैं। इससे उनकी ब्रांड वैल्यू काफी है। अगर वह अगले साल भी आईपीएल में खेलते हैं तो उनकी कमाई और ज्यादा बढ़ेगी। फुटबॉल टीम में भी है धोनी का शेयर भारत के सबसे फिट क्रिकेट खिलाड़ी के रूप में पहचाने जाने वाले धोनी न केवल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया है बल्कि फिटनेस उद्योग में भी कदम रखा है। वह पूरे देश में 200 से अधिक जिमों का मालिक है, जो स्पोर्ट्सफिट वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड के बैनर के तहत संचालित होते हैं। धोनी का फुटबॉल से काफी गहरा रिश्ता है। उनका शेयर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चेन्नईयन एफसी में भी है। रेसिंग टीम में भी लगाया है पैसा धोनी को बाइक्स से गहरा लगाव है, जो उनके शानदार कलेक्शन से साफ पता चलता है। प्रतिष्ठित सुपरस्पोर्ट वर्ल्ड चैम्पियनशिप में एक रेसिंग टीम का उनका स्वामित्व इस बात को और ज्यादा मजबूत करता है। यह साझेदारी किसी और के साथ नहीं बल्कि मशहूर अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन के साथ बनी है। सेवन को फरवरी 2016 में लॉन्च किया गया था और धोनी से ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए संपर्क किया गया था। वह न केवल ब्रांड के ब्रांड एंबेसडर हैं, बल्कि वह इसके फुटवियर प्रोडक्ट के भी मालिक हैं। इसके अलावा धोनी फिल्मों में भी हाथ आजमा आ रहा है। उनकी एक प्रोडक्शन कंपनी 'धोनी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड' है।

बेहतर आर्थिक प्रबंधन से अन्य देशों की तुलना में तेज सुधार, लंबे समय तक ऊंची रहेगी विकास दर

वैश्विक चुनौतियों के बीच बेहतर आर्थिक प्रबंधन से भारत अन्य देशों की तुलना में अधिक तेजी से सुधार की राह पर है। आपूर्ति पक्ष से जुड़े बुनियादी ढांचे में निवेश ने कई दशकों के मुकाबले लंबे समय के लिए भारत की सतत आर्थिक वृद्धि की संभावना को बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय की बृहस्पतिवार को जारी 2023 की सालाना रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि को पहले के मुकाबले अधिक टिकाऊ तरीके से बरकरार रखने की स्थिति में है। इसके बावजूद हमें इन उपलब्धियों पर संतोष नहीं करना चाहिए और न ही कड़ी मेहनत और सतर्कता से हासिल की गई आर्थिक स्थिरता को कम होने देना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ वर्षों में भारतीय बैंकिंग और गैर-वित्तीय कॉरपोरेट क्षेत्रों में बहीखाते की दिक्कतों व वैश्विक चुनौतियों के बीच आर्थिक प्रबंधन शानदार रहा है। इसका वृहद आर्थिक स्थिरता बढ़ाने में बड़ा योगदान है। एजेंसी सुझाव : शुल्क में कटौती करे सरकार रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सरकार महंगाई का दबाव कम करने के लिए शुल्कों में कटौती कर सकती है। कल्याणकारी कार्यों पर खर्च बढ़ा सकती है। इसके अलावा, सरकार अपने पूंजीगत खर्च के बढ़े प्रावधान को कायम रख सकती है, जिसकी वजह से आज निजी निवेश लाने में मदद मिल रही है।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने 3 .28 लाख करोड रुपये का बजट किया पेश

नई दिल्ली। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश किया। उन्होंने बजट में एलान किया कि कुल व्यय 3,27,747 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।जिसमें 2,50,933 करोड़ रुपये का राजस्व व्यय, 54,374 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय और 22,441 करोड़ रुपये का ऋणों के भुगतान के मद होने वाला व्यय शामिल है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज दोपहर 12 बजे राज्य का बजट पेश किया जो 10 मई को विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की भारी जीत के बाद राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद पहला बजट है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्य का बजट पेश करने के लिए बेंगलुरु के विधानसभा पहुंचे। कर्नाटक के मंत्री एचके पाटिल ने कहा, 'लोगों को हम से बहुत उम्मीदें और भरोसा है। कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक और देश में अपनी विश्वसनीयता बनाई है। मुझे यकीन है कि हम इसे पूरा करने में सक्षम होंगे। लोग बजट की सराहना करेंगे।

मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया का यह सातवां बजट है, इससे पहले उन्होंने 2013 से 2018 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान छह बजट पेश किए थे। इससे पहले इसी महीने सीएम सिद्धारमैया ने घोषणा की थी कि हर साल लगभग 50,000 करोड़ रुपये की लागत से सभी 'पांच गारंटी' चालू वित्त वर्ष में लागू की जाएंगी। उन्होंने कहा, 'हमने लंबी चर्चा की। यह इसी वित्त वर्ष में दिया जाएगा।₹ बजट पेश होने से पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और अन्य मंत्री भी मौजूद रहे।

इस साल सात प्रतिशत बढ़ी दोपहिया की बिक्री, ट्रैक्टर की खरीद में 75 फीसदी की बढ़त

घरेलू बाजार में यात्री और दोपहिया वाहन समेत गाड़ियों की कुल खुदरा बिक्री जून में सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 18,63,868 इकाई पहुंच गई। हालांकि, मासिक आधार पर बिक्री में 7.70 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पिछले साल जून में कुल 17,01,105 वाहन

बिके थे, जबकि मई, 2023 में यह आंकड़ा 20,19,414 इकाई रहा था। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, यात्री वाहनों की बिक्री पिछले माह 5% बढ़कर 2,95,299 इकाई पहुंच गई। जून, 2022 में घरेलू बाजार में 2,81,811 वाहन बिके थे। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, मासिक आधार पर बिक्री में गिरावट वाहन बाजार में नरमी का इशारा करता है।

इन श्रेणियों में भी तेजी

दोपहिया : दोपहिया की बिक्री 7% बढ़कर 13,10,186 इकाई रही।

तिपहिया : इनकी बिक्री 75% बढ़कर 86,511 इकाई रही।

ट्रैक्टर : इनकी बिक्री 75 फीसदी बढ़कर 98,660 रही।

वाणिज्यिक : बिक्री 72,894 से बढ़कर 73,212 इकाई रही।

ई-वाहनों में 56 फीसदी की गिरावट

सिंघानिया ने कहा कि मासिक आधार पर दोपहिया वाहनों की बिक्री जून में 12 फीसदी घट गई। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहन) की बिक्री में भी मासिक आधार पर 56 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसकी प्रमुख वजह सरकार की ओर से फेम योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी में कटौती है। टोयोटा ने एक फीसदी बढ़ाए गाड़ियों के दाम टोयोटा किर्लोस्कर ने इनोवा, क्रिस्टा और फॉर्च्यूनर जैसे वाहनों की कीमतों में एक फीसदी की बढ़ोतरी की है।?नई कीमत 5 जुलाई से लागू हो गई?है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि कई तरह की लागत बढ़ने के कारण उसे यह कदम उठाना पड़ा है।

ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर लग सकता है 28 फीसदी जीएसटी

ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर 28 फीसदी जीएसटी देना पड़ सकता है। जीएसटी परिषद के मंत्रियों का समूह (जीओएम) इन पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने पर सहमत हो गया है। हालांकि, ऑनलाइन गेमिंग पर कर की दर को लेकर गोवा असहमत है। राज्य ने इस पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने का सुझाव दिया है। सूत्रों ने बताया कि जीएसटी परिषद की 11 जुलाई को होने वाली बैठक में कर की दर के साथ कुछ अन्य चीजों पर विचार किया जाएगा। बैठक में इस पर भी चर्चा होगी कि क्या जीएसटी कुल गेमिंग राजस्व (जीजीआर) या मंच की ओर से लिए जाने वाले शुल्क पर लगना चाहिए। परिषद इस बात पर भी विचार करेगी कि ऑनलाइन गेमिंग, घुड़दौड़ या कसीनो में खिलाड़ियों की ओर से लगाए जाने वाले पूरे दांव पर कर लगाया जाना चाहिए।

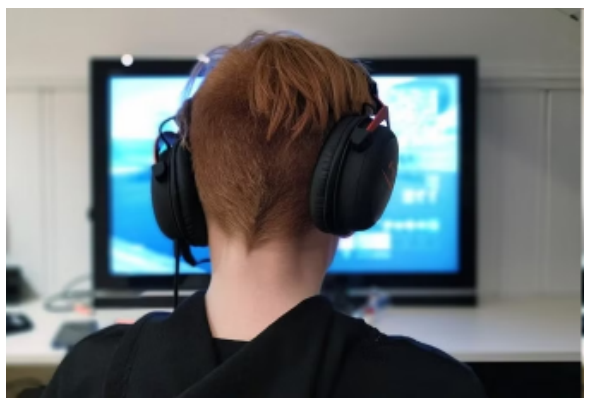

सूत्रों ने कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली परिषद को यह भी फैसला लेना है कि क्या ये तीन गतिविधियां सट्टेबाजी और जुए के तहत कार्रवाई योग्य दावे की श्रेणी में आती हैं। महंगे हो सकते हैं उपयोगी वाहन बैठक में 22 फीसदी उपकर लगाने के लिए उपयोगी वाहनों की परिभाषा भी स्पष्ट की जा सकती है। फिटमेंट समिति ने 28 फीसदी जीएसटी के अलावा 22 फीसदी क्षतिपूर्ति उपकर लगाने के मामले में बहु-उपयोगी वाहन (एमयूवी) या बहुउद्देशीय वाहन या क्रॉसओवर यूटिलिटी वाहन (एक्सयूवी) को स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) की तरह परिभाषित करने की सिफारिश की है। समिति ने सिफारिश की है कि चाहे वे किसी भी नाम से पुकारे जाएं, सभी उपयोगी वाहनों पर 22 फीसदी उपकर लगेगा। इसके लिए शर्त है कि वे तीन मापदंडों...लंबाई चार मीटर से अधिक, इंजन क्षमता 1,500 सीसी से ज्यादा और ग्राउंड क्लीयरेंस बिना लोड वाली स्थिति में 170 मिमी से अधिक...को पूरा करते हों। कैंसर की दवा के आयात पर कर छूट संभव जीएसटी परिषद कैंसर के इलाज में उपयोगी व्यक्तिगत रूप से आयातित दवा डिनुटूक्सिमैब पर कर में छूट दे सकती है। वर्तमान में ऐसे आयात पर 5 या 12 फीसदी आईजीएसटी लगता है। फिटमेंट समिति ने सुझाव दिया है कि जिस दवा की लागत 36 लाख रुपये है, उसे जीएसटी से छूट दी जानी चाहिए। सिनेमाघरों में सस्ते हो सकते हैं खाने-पीने के सामान फिटमेंट समिति ने कहा, सिनेमाघरों में परोसे जाने वाले भोजन व पेय पदार्थों पर 5 फीसदी कर लगाया जाए न कि 18 फीसदी, जैसा कुछ मल्टीप्लेक्स में किया जा रहा है। पंजीकरण नियम सख्त हो सकते हैं।?इसके तहत पंजीकरण चाहने वाले व्यक्ति के पैन से जुड़े बैंक खाते का ब्योरा जमा करने की अवधि 45 दिनों से घटाकर 30 दिन की जा सकती है। उच्च जोखिम वाले आवेदकों के कारोबारी परिसर का भौतिक सत्यापन अनिवार्य हो सकता है।

अभिषेक मल्हान ने बिग बॉस के मेकर्स के सामने रख दी शर्त, कहा-ओटीटी 2 जीत गया तो मैं 100:...

बिग बॉस का ये ओटीटी सीजन जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा हैं और भी ज्यादा इंट्रेस्टिंग होता जा रहा हैं। दरअसल शो के कंटेस्टेंट जमकर मसाला देते नजर आ रहे हैं। ऐसे में बिग बॉस ओटीटी के आते के साथ दर्शक कलर्स पर आने वाले बिग बॉस का भी बेसब्री से इंतजार करने लगते हैं। वही बिग बॉस ओटीटी के कुछ चुनिंदा कंटेस्टेंट को बिग बॉस के घर में भी भेजा जाता हैं। ऐसे में बिग बॉस के घर में अपना बेहतरीन प्रदर्शन दे रहे हैं अभिषेक मल्हान ने अब शो के मेकर्स के सामने एक बड़ी शर्त रख दी हैं। दरअसल शो में हिस्सा लेने पहुंचे यूट्यूबर अभिषेक मल्हान ने अपने मजबूत व्यक्तित्व से सदस्यों के बीच अपनी खास जगह बना ली है। इसके साथ ही बिग बॉस ओटीटी 2 का विनर बनने के लिए सभी सदस्यों के बीच होड़ शुरू हो चुकी है। हर कोई खुद को इस सीजन का विनर बनते हुए देखना चाहता है। इस बीच, फुकरा इंसान उर्फ अभिषेक मल्हान ने हाल ही में घरवालों के साथ बातचीत के दौरान खुलासा किया है कि वो बिग बॉस 17 का भी हिस्सा बनना चाहते हैं। अभिषेक मल्हान ने हाल ही में कहा, श्अगर मैं बिग बॉस ओटीटी 2 जीत गया तो मैं 100ः बिग बॉस 17 में करूंगा कलर्स टीवी वाला। मैं वो करूंगा अगर जीत गया बिग बॉस ओटीटी 2 तो। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या अभिषेक मल्हान की ये इच्छा मेकर्स पूरी करेंगे या नहीं। इस बार वैसे भी बिग बॉस ओटीटी 2 के फैसलों में काफी हद तक दर्शकों की वोटिंग मायने रखती है। देखना होगा क्या ऐसा ही फिनाले के दौरान भी होगा। बिग बॉस ओटीटी 2 सिर्फ 6 हफ्तों के लिए ही रखा गया है। यही वजह है की शो से एक ही हफ्ते में दो से तीन कंटेस्टेंट घर से बेघर हो रहे हैं। बता दे की ओटीटी खत्म होने के तुरंत बाद कलर्स टीवी पर बिग बॉस का सीजन 17 शुरू हो जाएगा। ऐसे में बिग बॉस ओटीटी में आए कंटेस्टेंट भी खुद को बिग के सीजन 17 में दिखाने की पूरी कोशिश में लग गए हैं। बता दे की अभिषेक मल्हान के बाहरी दुनिया में भी ढेरों चाहने वाले हैं। जहां यूट्यूब पर अभिषेक के एक वीडियो अपलोड करते के साथ ही उसपर मिलियन में व्यू चले जातवे हैं।

तमन्ना भाटिया ने पूछा एक्स के साथ कर सकते हैं सेक्स? जानें तो क्या बोलें विजय वर्मा

पॉपुलर साउथ और बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों अपने रिलेशनशिप की वजह से लाइमलाइट में बनी हुई हैं। ऐसी खबरे हैं कि तमन्ना भाटिया एक्टर विजय वर्मा को डेट कर रही हैं। इतना ही नहीं ये दोनों अब अपनी फिल्म लस्ट स्टोरीज 2 को लेकर भी सुर्खियों में हैं, जिसमें ये दोनों साथ नजर आने वाले हैं। आपको बता दें, इस फिल्म में इस रूमर्ड कपल ने काफी इंटीमेट सीन दिए हैं। इसके अलावा दोनों स्टार्स के लिए ये फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि रिलेशनशिप में आने के बाद ये दोनों की पहली फिल्म है। ऐसे में फैंस को भी इन दोनों की कैमिस्ट्री काफी पसंद आई है। इसी बीच अब नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है जिसमें तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक-दूसरे से बात कर रहे हैं। बता दें, दोनों ने पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक पर एक-दूसरे से सवाल किए हैं। इसी बीच तमन्ना ने विजय से एक ऐस असवाल कर लिया जो अब चर्चा में आ गया है। दरअसल, एक्ट्रेस ने इस दौरान एक्स को लेकर भी सवाल किया, जिसपर एक्टर ने ऐसा जवाब दिया जो सुनकर किसी की भी बोलती बंद हो जाएगी। आपको बता दें, तमन्ना भाटिया ने पूछा कि एक्स के साथ सेक्स हां या ना? विजय ने कहा, जिसकी जैसी जरूरत। अगर आप दोनों सिंगल हैं तो ठीक है। हम कौन होते हैं जज करने वाले। इसके बाद विजय वर्मा ने तमन्ना से पूछा कि मेरे साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा था? इसके जवाब में तमन्ना ने कहा, मैं विजय वर्मा की बड़ी फैन हूं। मैंने विजय की सारी फिल्में देखी हैं। जब मैंने सुना की ऐसी फिल्म बनाई जा रही हैं, जिसमें आप और सुजॉय हैं तो मैं बहुत एक्साइटेड हो गई थी। मुझे याद है कि मैं शूटिंग के दौरान बीमार हो गई थी और आपने मुझे सुपर कम्फर्टेबल फील करवाने की पूरी कोशिश की। तभी विजय ने कहा कि आपको बहुत दर्द होता था, लेकिन आप बाहर से बहुत स्ट्रॉन्ग थीं। मैं आपको देखकर सीख रहा था कि आप चाहे कितने भी बीमार हो, लेकिन डेडिकेशन हो तो काम कर सकते हो। जैसे आप कर रही थीं 12 घंटे तक। विजय वर्मा ने आगे ऑनस्क्रीन इंटिमेट सीन को पर्दे पर देखने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, बचपन में एक बार जब अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ राजा हिंदुस्तानी देखने गया था, उस वक्त जब आमिर खान और करिश्मा कपूर का वो किसिंग सीन आया तो पूरी रौ उसे देखकर फ्रीज हो गई। उस दौर की हिंदी फिल्मों में ऐसा कम देखने को मिलता था। वो किस खत्म ही नहीं हुआ और ऐसा लगा कि वो एक घंटे तक चला है।ष विजय वर्मा का ये किस्सा सुनकर तमन्ना भाटिया भी अपनी हंसी रोक नहीं पाई।

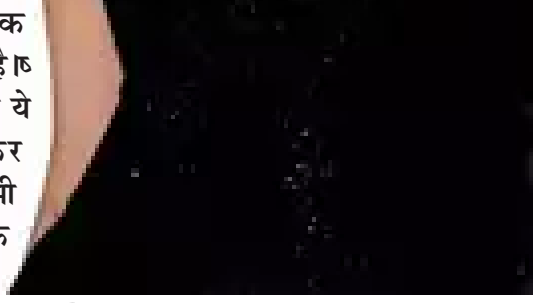

ऐसे हुई थी एमएस धोनी और साक्षी की मुलाकात, फिल्म से अलग है धोनी की लव स्टोरी

क्रिकेट के दुनिया के सुपरस्टार और लाखों दिलों की धड़कन कहे जाने वाले एमएस धोनी आज किसी भी पहचान के मौहताज नहीं हैं। दरअसल इंडियन क्रिकेट के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आज अपना 42वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। वैसे तो धोनी शांत और पब्लिसिटी से दूर रहना ही पसंद करते हैं। यही वजह है की उनकी लाइफ से जुडी बहुत सारी चीजें उनके फैंस आज भी नहीं जानते हैं। ऐसे में आज उनके बर्थडे के मौके पर हम एमएस धोनी से जुडी कुछ अनोखे राज खोलने जा रहे हैं। दरअसल धोनी की जिंदगी पर बनी फिल्मी एमएस धोनी द अनटोल्ड स्टोरी में धोनी से जुडी कई कहानियों को दिखाया गया हैं। लेकिन असल में धोनी की जिन्दगी उन कहानियों से काफी अलग हैं। धोनी और साक्षी की लव स्टोरी की भी शुरूआत कुछ अलग ही तरह से हुई थी। 7 जुलाई 1981 को झारखंड के रांची में जन्मे महेंद्र सिंह धोनी का परिवार उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले से है। धोनी के पिता पान सिंह रांची स्थित मैकॉन में नौकरी करते थे और इस वजह से वे यहां बस गए थे। वहीं साक्षी सिंह रावत का ताल्लुक कोलकाता से था। साक्षी के पापा और धोनी के पिता मैकॉन में काम करते थे और वे दोस्त थे। इसलिए धोनी और साक्षी भी एक दूसरे को बचपन से जानते थे। यहां तक कि वे रांची के स्कूल में साथ पढ़ते थे। हालांकि बाद में साक्षी सिंह का परिवार देहरादून में बस गया था। साक्षी के परिवार के देहरादून शिफ्ट होने के बाद धोनी और उनकी मुलाकात साल 2007 के दौरान कोलकाता में हुई। उस वक्त टीम इंडिया कोलकाता के होटल ताज बंगाल में ठहरी हुई थी। इसी होटल में साक्षी इंटर्नशिप कर रही थीं। हालांकि, उस वक्त दोनों की मुलाकात साक्षी के मैनेजर युद्धजीत दत्ता ने कराई थी. वहीं, इस मुलाकात के बाद धोनी ने युद्धजीत दत्ता से साक्षी का नंबर मांगा और उन्हें मैसेज भी किया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जाता है कि धोनी का मैसेज देखकर साक्षी हैरान रह गई थीं। मार्च 2008 में दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे। वहीं, 2010 में उन्होंने शादी कर ली।

अनुराग कश्यप ने अमृता सुभाष से पूछी थी पीरियड्स की डेट, सालों बाद अब हुआ खुलासा

सेक्रेड गेम्स, बॉम्बे बेगमस और लस्ट स्टोरीज में अपनी बेहतरीन अदाकारी दिखाने के बाद एक्ट्रेस अमृता सुभाष ओटीटी की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार हो गई हैं। वो अब तक कई बड़ी वेब सीरीज और फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को लस्ट स्टोरीज में देखा गया था जिसमें उनकी एक्टिंग की ऑडियंस ने खूब तारीफें भी की। इससे पहले वो सेक्रेड गेम्स में नजर आई थीं, इस सीरीज में अमृता ने पहली बार सेक्स सीन शूट किया था। इसी बीच अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अमृता ने बताया कि कैसे सेक्रेड गेम्स की शूटिंग से पहले अनुराग कश्यप ने उनसे उनकी पीरियड्स डेट पूछी थी। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने अनुराग कश्यप के ये सवाल पूछने की वजह भी बताई है। अमृता ने बताया कि पहली बार सेक्स सीन शूट करते समय अनुराग कश्यप ने उनके लिए सब कुछ बड़ा

आसान कर दिया था। अमृता ने कहा कि अनुराग कश्यप ने शूट से पहले मुझसे मेरी पीरियड्स की डेट पूछी। एक्ट्रेस बोलीं, यहां सवाल आदमी या औरत का नहीं है। वो बहुत ही अच्छे और सेंसिटिव हैं। उन्होंने मुझसे पूछा कि आपके पीरियड्स कब हैं? उसके पास वो सेक्स सीन मत रखो या आप उस दौरान सेक्स सीन कर पाओगी? एक्ट्रेस ने कैमरे पर इंटीमेट सीन शूट करने को लेकर अब डायरेक्टर अनुराग कश्यप की काफी तारीफ की है। अमृता का कहना है कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अमृता को कमफर्टेबल फील करवाया था और इंटीमेट सीन का शूट भी एक्ट्रेस की पीरियड्स डेट के हिसाब से रखा गया ताकी उन्हें कोई परेशानी ना हो।अमृता ने कहा कि सेक्स सीन की शूटिंग को लेकर अनुराग कश्यप काफी सेंसिटिव हैं। आपको बता दें, इससे पहले मीडिया से बातचीत के दौरान अमृता ने सेक्रेड गेम्स के अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा था, मैं एक्सपैरिमेंट करना चाहती थी, कुछ अलग रोल करना चाहती थी। मैंने अपने बाल लाइफ में पहली बार छोटे किए। मैं विक्रमादित्य मोटवाने और वरुण ग्रोवर से फिल्म मंटो के प्रीमियर के दौरान मिली थी। इसके बाद मुझे बाद में उनके कास्टिंग डायरेक्टर का कॉल आया। जब मैं ऑडिशन के लिए जा रही थी, तब मेरे पति संदेश कुलकर्णी ने मुझे कहा था कि ज्यादा हीरो मत बनना। रॉ एजेंट्स को कभी ये बताने की जरूरत नहीं होती कि वो कितने पावरफुल हैं। वहीं बात अगर लस्ट स्टरीज के बारे में करें तो इसमें उन्होंने काम करने वाली का किरदार निभाया था। फिल्म को पॉपुलर बॉलीवुड एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा ने डायरेक्ट किया था। इतना ही नहीं इस फिल्म फिल्म में भी अमृता ने बहुत सारे इंटीमेट सीन दिए हैं।

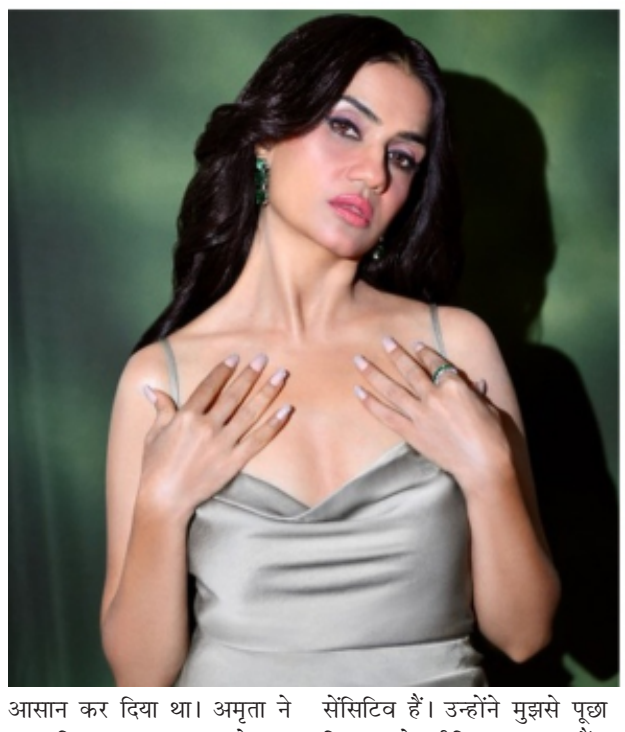

ना हैं कोई लुक्स ना ही हैं एक्टिंग स्किल्स! एसआरके को लेकर क्यों ऐसा बोली पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर

भारत ही नहीं पूरे विश्व में अपने अभिनय के लिए जाने, जाने वाले शाहरुख खान की पॉपुलैरिटी से तो सभी वाखिफ हैं। उनकी हर एक फिल्म बड़े परदे पर क्या शोर मचाती हैं इसके गन-गान तो हर जगह बजते हैं। करोडो की तादाद में अपनी फैन फॉलोविंग रखने वाले त्ज्ञ पर अगर कोई एक्टिंग ही ना आने का इलजाम लगा दे तो सोचिये इस बात पर किंग खान के फैंस का गुस्सा क्या कयामत लाएगा। कई फैंस शाहरुख को अपना भगवान मानते हैं तो कई शाहरुख के सोशल मीडिया पर फैन पेज भी बने हुए हैं। अगर कोई शाहरुख के बारे में कुछ गलत बोल देता है तो फैंस बहुत नाराज हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर बलोच ने किया है। जी हाँ! महनूर ने शाहरुख को लेकर एक बड़ा बयान दिया है जिसे सुनने के बाद शाहरुख के फैंस के बीच तो कयामत ही आने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महनूर ने शाहरुख खान की एक्टिंग और लुक्स पर नेगेटिव कमेंट किया है। उन्होंने कहा कि, श्शाहरुख खान एक शानदार बिजनेसमैन हैं और उन्हें पता है कि खुद की मार्केटिंग कैसे करते हैं। वल्कि इतना ही नहीं उन्होंने आगे ये भी कहा कि - शाहरुख को एक्टिंग नहीं आती है। पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर ने एक पाकिस्तानी शो हद करदी में शाहरुख खान के बारे में बात की जिसमे उन्होंने कई बातो के बारे में बोला। उन्होंने कहा- ष्शाहरुख खान की बहुत अच्छी पर्सनालनिटी है लेकिन अगर आप ब्यूटी पैरामीटर के हिसाब से देखेंगे कि कौन हैंडसम है तो वह इस पैरामीटर के अंदर नहीं आते हैं। उनकी पर्सनालिटी और औरा बहुत स्ट्रॉन्ग है जिसकी वजह से वह अच्छे लगते हैं। उनका और है लेकिन और भी कई खूबसूरत लोग हैं, जिनका औरा नहीं है तो उन्हें कोई नोटिस नहीं करता हैष पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने आगे कहा-ये मेरा शाहरुख खान को लेकर ओपिनियन है तो उन्हें एक्टिंग नहीं आती हैं। वह एक अच्छे बिजनेसमैन हैं जिन्हें पता है कि खुद को मार्केट कैसे करना है। उनके फैंस और लोग मेरी बातों से सहमत नहीं होंगे और कोई बात नहीं। कई अच्छे एक्टर हैं जो उनकी तरह सक्सेसफुल नहीं हैं। जिसके बाद से ही महनूर अपने इस कमेंट को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। लोग उनके बारे में खूब बुरा-भला बोल रहे हैं।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान
पूर्वांचल | 8
लखीमपुर खीरी, शनिवार 08 जुलाई, 2023

बिजली कटौती के खिलाफ सपाइयों ने किया प्रदर्शन

चित्रकूट। जिले में चरमराई बिजली व्यवस्था के खिलाफ सपाइयों ने प्रदर्शन कर राज्यपाल संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। कहा कि इन दिनों धान की रोपाई का कार्य चल रहा है। ऐसे में जिले को पर्याप्त बिजली दी जाए वर्ना पार्टी आंदोलन को बाध्य होगी। गुरुवार को सपा जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव की अगुवाई में पार्टी कार्यकताओं ने जिले में व्याप्त बिजली संकट को लेकर कलक्ट्रेट परिसर पहुंचकर राज्यपाल संबोधित ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में कहा कि सपा शासनकाल में जिले को 24 घंटे बिजली मुहैया कराई जा रही थी। अब मुश्किल आठ से दस घंटे ही बिजलीआपूर्ति हो रही है। इन दिनो किसानों के सामने धान रोपाई का समय है। इस मौके पर सत्य नारायण पटेल, अमर पटेल, सियाराम गुप्ता, मेघराज प्रजापति, सीताराम कश्यप, मो गुलाब खां, नरेन्द्र यादव, गोपीचन्द्र यादव, शीलू यादव, अश्वनी कुमार, अभिलाष यादव, राजा यादव आदि मौजूद रहे।

रिंग रोड का सर्वे दोबारा शुरू

अमेठी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से शहर स्थित रेलवे लाइन के दक्षिणी छोर (रिंग रोड) बाईपास (एनएच 931) फेज टू, एनएच 931 और एनएच 330 (96) के चौड़ीकरण व भूमि अधिग्रहण को लेकर दोबारा स्थलीय एवं अभिलेख सत्यापन शुरू कर दिया गया है। एनएच अफसरों की मौजूदगी में राजस्व टीम तीनों प्रोजेक्ट का सत्यापन कर रही है। इसके लिए गांववार रिपोर्ट तैयार की जा रही है। सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी के प्रयास से रिंग रोड बाइपास (एनएच 931) फेस टू निर्माण के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से 283.86 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। भूमि अधिग्रहण के संबंध में गजट प्रकाशन के बाद बाइपास फेज टू निर्माण की जद में आ रहे राजस्व गांव खेरौना, बधवरिया, मनीपुर राघव, रेभा, चचकापुर, बिराहिमपुर, बरियापुर, भरथीपुर, लोनियापुर, रायपुर फुलवारी, उमापुर गाना पट्टी और जंगल रामनगर के

कुल 461 गाटों के सापेक्ष 19.7495 हेक्टेयर निजी व सरकारी भूमि का सत्यापन कार्य अंतिम स्तर पर चल रहा है। करीब नौ सौ करोड़ रुपये की लागत से 68.3 किमी प्रतापगढ़-अमेठी-गौरीगंज- मुसाफिरखाना हाईवे (एनएच 931) को 10 मीटर चौड़ा किया जाना है। यह हाईवे प्रतापगढ़ के चिलबिला रेलवे क्रासिंग से बिहारगंज, अंतू, बाबूगंज के बाद अमेठी जनपद में तहसील अमेठी मुख्यालय, जिला मुख्यालय गौरीगंज एवं मुसाफिरखाना तहसील मुख्यालय तक जाता है। इस हाईवे पर 47 किमी. हिस्सा अमेठी जिले में पड़ता है। हाईवे पर लखनऊ-वाराणसी रेल खंड स्थित सहजीपुर रेलवे क्रॉसिंग पर एक (आरओबी) फ्लाईओवर तो प्रतापगढ़ जिले के बाबूगंज बाजार में बाईपास, अमेठी के ठेंगहा गांव में करीब 2.5 किलोमीटर व जिला मुख्यालय गौरीगंज में भी टिकरिया से करीब 4.5 किमी. लंबा बाईपास बनेगा। जद में आ रही जमीन का सत्यापन एनएच अफसरों की मौजूदगी में गठित राजस्व टीम द्वारा स्थलीय एवं अभिलेखीय सत्यापन किया जा रहा है। साथ ही प्रयागराज-प्रतापगढ़-रामगंज- सुलतानपुर-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग 96 (न्यू एनएच 330) का चौड़ीकरण किया जाना है। राष्ट्रीय राजमार्ग की जद में जिले की स्थानीय तहसील के नौ गांव का करीब दस किलोमीटर हिस्सा पड़ता है। अमेठी तहसील क्षेत्र के गांव छीड़ा, त्रिसुंडी, संसारीपुर, रायपुर, रामपुर, कुरंग, नरबहनपुर, दुगार्पुर और बीकापुर गांव की भूमि आएगी। जिसमें इन सभी गांव के 43.6596 हेक्टेयर भूमि विस्तार की जद में आ रही है। जिसका सत्यापन एनएच अफसरों और राजस्व टीम द्वारा किया जा रहा है। टीम ने किया सत्यापन नायब तहसीलदार अमेठी ने बृहस्पतिवार को कार्य का सत्यापन किया। जिसमें एनएच 931 बाईपास (फेज-2) रिंग रोड, एनएच 330 (96) प्रतापगढ़- अयोध्या फोरलेन चौड़ीकरण व एनएच 931 प्रतापगढ़-अमेठी- मुसाफिरखाना चौड़ीकरण को लेकर एनएच के अधिकारियों राजस्व टीम के अधिकारी व संबंधित हल्का लेखपाल मौजूद रहे। हाईवे प्रशासन की ओर से अनुराग और मनीष कुमार तथा राजस्व विभाग से राजस्व निरीक्षक लालमणि, राज कुमार सिंह, श्रीपति गुप्ता व जगदीश प्रसाद मौर्या के साथ संबंधित गांव के हल्का लेखपाल रहे। तहसीलदार पवन कुमार शर्मा ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के संबंध में एनएच अफसरों की मौजूदगी में भूमि के सत्यापन का कार्य पुनः चल रहा है। सत्यापन रिपोर्ट तैयार कर एनएच को भेजी जाएगी।

भाषा व गणित में निपुण विद्यार्थियों का होगा सम्मान

अमेठी। परिषदीय स्कूल में पंजीकृत बच्चों की शैक्षिक क्षमता बढ़ाने के लिए निपुण भारत योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत बच्चों को भाषा व गणित में दक्ष करने के लिए शिक्षकों के साथ डीएलएड प्रशिक्षु की मदद ली जाएगी। कक्षावार हिन्दी व भाषा में दक्ष बच्चों को निपुण विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से कक्षा एक से तीन तक पंजीकृत विद्यार्थियों को भाषा व गणित में दक्ष करने के लिए परिषदीय स्कूलों में निपुण भारत योजना संचालित की जा रही है। इसके तहत कक्षा एक से तीन में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की कक्षा अनुरूप दक्षता सुनिश्चित करने के लिए शासन की ओर से कई प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि शैक्षिक गुणवत्ता परखने के लिए स्कूल शिक्षा महानिदेशक ने डायट प्राचार्य को निपुण विद्यार्थी की पहचान का काम डीएलएड प्रशिक्षुओं के माध्यम से कराने को कहा है। डायट प्राचार्य व बीटीसी प्रशिक्षुओं को निपुण विद्यार्थी की पहचान का काम करना होगा। डायट में प्रशिक्षणरत डीएलएड प्रशिक्षु निपुण विद्यार्थी के चयन के लिए विद्यालयों का भ्रमण करेंगे। वहां कक्षावार हिंदी व भाषा में दक्ष बच्चों को निपुण विद्यार्थी के रूप में तैयार कर सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से पहचान करते हुए कमजोर विद्यार्थियों को विशेष रूप से शिक्षित किया जाएगा। 500 रुपये प्रतिदिन प्रोत्साहन भत्ता जिला समन्वयक प्रशिक्षण अभिनव पांडेय ने बताया कि दो डीएलएड प्रशिक्षुओं को संयुक्त रूप से प्रति माह पांच कार्य दिवसों में 10 विद्यालयों (दो विद्यालय प्रतिदिन) का भ्रमण करना होगा। प्रत्येक डीएलएड प्रशिक्षु को प्रतिदिन 500 रुपये प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कोई भत्ता नहीं दिया जाएगा। डीएलएड प्रशिक्षु रेंडम आधार पर निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से आकलन करेंगे। कक्षा एक से तीन के 30 बच्चों (प्रत्येक कक्षा से 10 बच्चे) का आकलन होगा। सम्मानित होंगे निपुण विद्यार्थी हर माह विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में निपुण सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन में बच्चों के अभिभावकों और गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। निपुण विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए उन्हें एक बैज प्रदान किया जाएगा।

बच्चों के सामने निर्वस्त्र होकर खिंचवाई फोटो

वाराणसी। वाराणसी में बच्चों से अप्राकृतिक दुष्कर्म का आरोपी सुनील शुक्ला की घिनौनी करतूत सामने आई है। सुनील बच्चों को अपने कमरे में ले जाता था और उनके सामने निर्वस्त्र हो जाता था। निर्वस्त्र होकर ही सभी बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाता था। बच्चों से अप्राकृतिक दुष्कर्म के आरोपों से घिरे सुनील शुक्ला की घिनौनी करतूत सामने आई है। आरोप है कि वह बच्चों को अपने कमरे में ले गया और उनके सामने निर्वस्त्र हो गया। निर्वस्त्र होकर ही सभी बच्चों के साथ फोटो खिंचवाई। इसके बाद सभी बच्चों के साथ बारी-बारी से गलत काम किया और उन्हें अश्लील वीडियो भी दिखाया। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करके जांच कर रही है। मुकदमा दर्ज कराने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि बिहार निवासी एक परिवार उसके पड़ोस में किराये पर रहता है। उस परिवार की महिला सुनील शुक्ला के घर में झाड़ू-पोछा का काम करती है। बीते 20 जून को सुनील के घर में काम करने वाली महिला का 12 वर्षीय बेटा अपने साथ उसके 12

वर्षीय पुत्र और पड़ोस के 10 व 11 वर्षीय दो अन्य बच्चों को लेकर सुनील शुक्ला के घर गया। सुनील ने सभी बच्चों को कॉपी-किताब देने की बात कही थी, लेकिन उसका मकसद कुछ और था। अप्राकृतिक दुष्कर्म के बाद बच्चों को जातिसूचक गालियां देते हुए धमकाया और कहा कि यदि किसी से कुछ बताया तो अंजाम भुगतना होगा। सुनील शुक्ला के घर पर जो महिला काम करती थी, उसके बेटे से और बच्चों को बुलाने की बात कहा जा रहा था। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ अदालत में प्रभावी तरीके से पैरवी कर उसे कठोर सजा दिलाई जाएगी। - अश्वनी पांडेय, लंका थानाध्यक्ष। बच्चों की बातें सुनकर मुहल्ले के व्यक्ति ने जानकारी दी मुकदमा दर्ज कराने वाली महिला ने बताया कि सुनील शुक्ला की करतूत और उसकी धमकी से चारों बच्चे डरे हुए थे। किसी भी बच्चे ने अपने घर के किसी सदस्य से कोई बात नहीं बताया था। चारों बच्चों की आपस की चर्चा को मुहल्ले के ही एक व्यक्ति ने सुन लिया था और फिर उसने हकीकत बताई। तब जाकर बच्चों से पूछताछ की गई तो उन्होंने आपबीती सुनाई। जानकारी मिलते ही तत्काल गए थे संकटमोचन चौकी बृहस्पतिवार की दोपहर चारों बच्चों की माताओं ने लंका थाने में पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही बीते एक जून को संकटमोचन पुलिस चौकी पर शिकायत की गई थी। मगर, संकटमोचन चौकी की पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद लंका थाने की पुलिस से शिकायत की, लेकिन तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर धैर्य जवाब दे गया और वह दोबारा लंका थाने आने को बाध्य हुईं। मुकदमा दर्ज कराने वाली महिला ने कहा कि लंका थानाध्यक्ष ने सुनील शुक्ला को हवालात में डाल दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि वह सजा से बच नहीं पाएगा। लंका थानाध्यक्ष की कार्रवाई और बातों से आश्वस्त होकर घर चले आए।

तीन सौ साल से एक तरफ झुका हुआ है ये मंदिर, सावन में यहां न भक्त जाते हैं, न होती है पूजा

वाराणसी। मणिकर्णिका घाट के पास दत्तात्रेय घाट पर स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर रत्नेश्वर महादेव तीन सौ सालों से अधिक का इतिहास समेटे हुए हैं और लोगों के लिए आश्चर्य का केंद्र भी है। मंदिर लगभग तीन सौ साल से एक तरफ झुका हुआ है छह महीने तक पानी में डूबा रहता है। कण-कण शिव की नगरी काशी में वैसे तो सब कुछ महादेव की मंशा व कृपा से संचालित होता है। सावन में शिव नगरी की छटा ही निराली होती है। बाबा विश्वनाथ के धाम सहित शहर के सभी शिवालयों में बोल बम का जयकारा होता है, अभिषेक, पूजन और अर्चन होता लेकिन वहीं एक मंदिर ऐसा भी है जहां ना तो बोल बम का जयकारा गूंजता है और गंगा की तलहटी में दत्तात्रेय घाट पर विराजमान रत्नेश्वर

महादेव का मंदिर लोकोक्ति, कहावतों और कहानियों को समेटे हुए काशी के एक नए दर्शन का साक्षात्कार कराता है। सावन के महीने में जहां शिव मंदिर भक्तों से गुलजार रहता है वहीं इस मंदिर में ना तो भक्त जाते हैं और ना ही पूजा होती है। गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण सावन के महीने में यह मंदिर जलमग्न रहता है। मणिकर्णिका घाट के पास दत्तात्रेय घाट पर स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर रत्नेश्वर महादेव तीन सौ सालों से अधिक का इतिहास समेटे हुए हैं और लोगों के लिए आश्चर्य का केंद्र भी है। मंदिर लगभग तीन सौ साल से एक तरफ झुका हुआ है छह महीने तक पानी में डूबा रहता है। बाढ़ के दिनों में 40 फीट से ऊंचे इस मंदिर के शिखर तक पानी पहुंच जाता है। बाढ़ के बाद मंदिर के अंदर सिल्ट जमा हो जाता है। मंदिर टेढ़ा होने के बावजूद ये आज भी कैसे खड़ा है, इसका रहस्य कोई नहीं जानता है। ये है मंदिर की प्रचलित कथाएं मंदिर का इतिहास भी बेहद दिलचस्प बताया जाता है। इस मंदिर के निर्माण बारे में भिन्न-भिन्न कथाएं कही जाती हैं। डॉ. कुलपति तिवारी ने बताया कि रत्नेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना राजमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की दासी रत्नाबाई ने करवाया था। आधार कमजोर होने के कारण कालांतर में यह मंदिर एक ओर झुक गया, जो अपने आप में अनोखा है। गर्भगृह में एक या दो नहीं बल्कि, कई शिवलिंग स्थापित हैं। इसे शिव की लघु कचहरी भी कहा जाता है। कई लोग तीर्थ यात्रियों और श्रद्धालुओं को इसे काशी करवट बताकर मूर्ख बनाते हैं।

तहसीलों में बड़े बकायेदारों को चिह्नित कर कार्रवाई करें: डीएम

भदोही। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तहसील प्रशासन प्रत्येक तहसीलों में से 10-10 बड़े बकायेदारों को चिन्हित कर वसूली का लक्ष्य बढ़ाएं। इस दौरान आबकारी, परिवहन, खनन, मंडी सचिव, खाद्य सुरक्षा, बाटमाप तौल, अवैध मेडिकल स्टोर, क्लीनिक, अल्ट्रासाउंड, उर्वरक की अवैध बिक्री नहीं होगी। उन्होंने प्रवर्तन टीम गठित कर अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान बताया कि खान विभाग में माइन मित्रा पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले ही मिट्टी का खनन कर पाएंगे। वहीं श्रम विभाग ईंट भट्ठों पर कैंप लगाकर श्रमिकों का पंजीयन संख्या बढ़ाने का कार्य किया जाए। उन्होंने मंडी सचिव को गेहूं समेत अन्य खाद्य सामानों का भंडारण रोककर बकाया शुल्क वसूलने का निर्देश दिया। कहा कि पेट्रोल पंप, राइस मिल, शराब की दुकानों, गैस एजेंसियों पर औचक निरीक्षण करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा विद्युत विभाग बकाये राजस्व की वसूली के साथ आपूर्ति व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने की दिशा में कार्य करें। कहा कि एंटी भू माफिया टीम अवैध कब्जा, अतिक्रमण को रोकने की दिशा में कार्य करें। वहीं लंबित वादों के त्वरित निस्तारण में लापरवाही न बरती जाएं। कहा कि अविवादित दाखिल खारिज, तालाब, आवासीय भूमि, कृषि भूमि, वृक्षारोपण आवंटन, चकमार्ग, सार्वजनिक उपयोग की भूमि, पोखरों पर अतिक्रमण नहीं मिलने चाहिए। बैठक में एडीएम कुंवर वीरेंद्र मौर्य, एडीएम एसएन सिंह, एसडीएम आकाश कुमार, तहसीलदार विजय यादव, सुनील कुमार समेत विभाग प्रभारी उपस्थित रहे।

दबिश के दौरान हत्यारोपी की मौत, पुलिस पर पिटाई का आरोप

अमेठी। कमरौली थाने के पलिया पश्चिम गांव में बृहस्पतिवार की सुबह बाराबंकी जिले के सुबेहा थाने की पुलिस की दबिश के दौरान गैर इरादतन हत्या के एक आरोपी की मौत हो गई। मृतक के परिजन पुलिस पर पिटाई का आरोप लगा रहे हैं। एसपी बाराबंकी ने परिजनों के आरोप को नकारते हुए बताया कि मृतक की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक आया है। घटना के बाद गांव में व्याप्त तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। बाराबंकी जिले के सुबेहा थाने में महुआतरे गांव निवासी राजेश कुमार (40) के खिलाफ 24 अप्रैल को गैर इरादतन हत्या समेत अन्य मामलों में एक मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें गाय बांधने को लेकर हुए विवाद के बाद हुई राजेश की पिटाई से घायल विनय कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस इस मामले में

राजेश की तलाश कर रही थी। पुलिस से बचने के लिए आरोपी कमरौली थाने के पलिया पश्चिम गांव में अपनी ससुराल में रह रहा था। इसकी सूचना मिलने पर बृहस्पतिवार की सुबह सुबेहा थाने की पुलिस टीम पलिया पश्चिम गांव पहुंची। पहले पुलिस टीम ने घर में तलाशी ली तो आरोपी राजेश नहीं मिला। पता चला कि वह गांव के बाहर देखा गया है। पुलिस टीम को देखकर वह भागते हुए पानी से भरी नाली में गिर गया। गिरने के बाद टीम ने उसे पकड़ा तो वह बेहोश मिला। पुलिस बेहोश आरोपी को उसके साले के साथ लेकर सीएचसी जगदीशपुर पहुंची। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण बाद राजेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस टीम ने मामले की जानकारी दोनों जिलों के अधिकारियों को दी। आरोपी की मौत हो जाने की सूचना पर एसपी बाराबंकी दिनेश सिंह व एसपी अमेठी डॉ. इलामारन जी. ने भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचकर घटना की जानकारी ली। परिजन लगा रहे गंभीर आरोप राजेश की मौत के बाद पत्नी उर्मिला, साले मदन और पड़ोसी अनिल कुमार व राजेश ने सुबेहा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया है कि पुलिस ने रोशन लाल के घर दबिश दी। राजेश नहीं मिला तो पुलिस टीम खेतों में पहुंच गई। उसे पकड़ने के लिए दौड़ाया, जिससे वह कुछ दूर स्थित एक नाली में औंधे मुंह गिर पड़ा। आरोप है कि राजेश के गिरने पर पुलिस ने उसे पकड़ कर पीटा। इसी से उसकी मौत हो गई। कमरौली पुलिस को नहीं दी दबिश की सूचना सुबेहा थाने की पुलिस ने कमरौली थाने के पलिया पश्चिम गांव में दबिश देने की सूचना स्थानीय पुलिस तक को नहीं दी। इतना ही नहीं दबिश के दौरान न तो ग्राम प्रधान से संपर्क किया गया और न ही गांव के अन्य संभ्रांत नागरिकों को ही इस बाबत कुछ बताया गया। घायल साले को देखने ससुराल आया था राजेश सुबेहा थानाक्षेत्र के महुआतारे निवासी राजेश दो दिन पूर्व पत्नी उर्मिला के साथ कमरौली थाने के पलिया पश्चिम स्थित ससुराल रोशनलाल के घर आया था। उसका छोटा साला मदन सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। 24 अप्रैल 2023 को सुबेहा थाने पर दर्ज मुकदमे में अन्य लोगों के साथ राजेश कुमार भी नामजद था। वह ढाई महीने से फरार चल रहा था। अमेठी पुलिस को सूचना देकर सुबेहा पुलिस कमरौली थाने के पलिया पश्चिम गांव आरोपी को पकड़ने गई थी। पुलिस को देखकर राजेश भागने लगा व अचानक नाली में गिर जाने से बेहोश हो गया। अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दौरान उसके उसके ससुराल वाले भी साथ थे।

संक्षिप्त समाचार

शहरी आवास के 526 पात्रों को मिले 263 लाख

अंबेडकरनगर। नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) ने प्रधानमंत्री शहरी आवास के लिए 526 पात्रों को प्रथम किस्त के रूप में 263 लाख रुपये का भुगतान कर दिया है। प्रथम किस्त से निर्माण कार्य कराने के बाद पात्रों को दूसरी किस्त मिल सकेगी। डीएम अविनाश सिंह ने गत दिनों डूडा के अधिकारियों को आवास के पात्रों को भुगतान की औपचारिकताएं जल्द पूरा करने के निर्देश दिए थे। इस क्रम में नगर पालिका टांडा के 203 लाभार्थियों को 101.5 लाख रुपये, नगर पंचायत जहांगीरगंज के 52 लाभार्थियों को 26 लाख, नगर पंचायत राजेसुल्तानपुर के नौ लाभार्थी को 4.5 लाख, इल्तिफातगंज के एक लाभार्थी को 50 हजार तथा नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के 261 लाभार्थियों को 130.5 लाख रुपये भेजे गए। डीएम ने कहा कि इस राशि का सदुपयोग पात्र मकान के निर्माण में करें जिससे आगे की किस्त भी उन्हें मिल सके।

आग की चपेट में आने से दो झोपड़ियां जलकर राख

चंदौली। थाना क्षेत्र के अरंगी गांव में बृहस्पतिवार को अपराह्न तीन बजे आग की चपेट में आने से से दरोगा राम की दो झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। आग लगने की इस घटना में दो भैंस की झुलसने से मौत हो गई और एक गंभीर रूप से झुलस गई। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना में चार हजार रुपये नकदी सहित गृहस्थी का सारा सामान भी जलकर राख हो गया है। इससे पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है। परिवार के लोगों के पास वही वस्त्र बचे हैं जो उन्होंने पहन रखे थे। गांव निवासी दरोगा राम की दो झोपड़ियों में अचानक आग लग गई। आग लगने की लोगों को जब तक जानकारी हो पाती और वे कुछ कर पाते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। एक झोपड़ी में बंधी दो भैंस की झुलसने से मौत हो गई, जबकि एक झुलसकर घायल हो गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का अथक प्रयास किया लेकिन आग इतना विकराल रूप धारण कर चुकी थी कि सब कुछ जलकर राख हो गया और लोग कुछ नहीं कर सके। घटना की सूचना पाकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अजीत सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस के साथ ही राजस्व विभाग के अधिकारियों को दी। आग लगने की इस घटना से पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आकर दाने-दाने को मोहताज हो गया है। ग्राम प्रधान पूजा सिंह ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को अहेतुक सहायता दिए जाने की मांग की है।

नप की ओर से व्यापारियों पर लगा टैक्स होगा वापस

गाजीपुर। नगर पंचायत दिलदारनगर की ओर से व्यापारियों के ऊपर लगाए गए 141 व्यवसायिक टैक्स वापस ले लिए जाएंगे, जिससे व्यापारियों को राहत मिलेगी। टैक्स को लेकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने विगत दिनों बैठक करके काफी विरोध जताया था। इस टैक्स को वापस लिए जाने के लिए अधिशासी अधिकारी को पत्रक सौंपा था। व्यापारियों ने एक सप्ताह का समय देते हुए आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसी कड़ी में नगर पंचायत अध्यक्ष अविनाश जायसवाल की उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ वार्ता हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष ने व्यापारियों की बातों को मानते हुए कहा कि आगामी बोर्ड की बैठक में इस टैक्स को खारिज कर दिया जाएगा। अध्यक्ष के इस निर्णय पर व्यापारियों ने काफी हर्ष व्यक्त कर इसका स्वागत किया। इस संदर्भ में नगर पंचायत अध्यक्ष अविनाश जायसवाल ने बताया कि बृहस्पतिवार को टैक्स को लेकर व्यापारियों के साथ एक बैठक की गई है। कई बिंदुओं पर विचार विमर्श करते हुए आपसी सहमति बनाई गई। आगामी 29 तारीख को टैक्स को लेकर व्यापारियों के हित को दृष्टिगत रखते हुए निर्णय लिया जाएगा। इस बैठक में सेवराई तहसील प्रभारी दिनेश अकेला, अध्यक्ष गोपाल वर्मा, महामंत्री वसीम राइनी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र चौरसिया, युवा व्यापार मंडल महामंत्री विकास अग्रहरि उपस्थित रहे।

पकड़ी गई अवैध गुटखा फैक्टरी, एक गिरफ्तार

चित्रकूट। जनपद में चल रही अवैध गुटखा फैक्टरी के संचालन पर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकली गुटखा, रैपर, मिक्सर पैकिंग मशीन, कच्चा मैटेरियल व अन्य सामग्री समेत आरोपी को पकड़ा है। गुरुवार को एसपी कार्यालय में सीओ सिटी हर्ष पांडेय ने बताया कि भरतकूप क्षेत्र के ग्राम ल्यौझा निवासी सोमदत्त पांडेय के मकान में थाना प्रभारी सूबेदार बिंद ने टीम के साथ छापेमारी की गई। जिसमें अवैध गुटखा फैक्ट्री संचालित पाई गई। जिसका संचालन धौरही निवासी मधुसूदन गुप्ता द्वारा किया जा रहा था। भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांड के एकबोरा नकली गुटखा पैकेट, रैपर, एक मिक्सर पैकिंग मशीन, सुपाड़ी का मिला हुआ कच्चा मैटेरियल व अन्य सामग्री बरामद की गई। जिसकी कीमत लगभग आठ लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री में अपमिश्रित गुटखा तैयार किया जाता है। छापेमारी के बाद जीएसटी व खाद्य सुरक्षा की टीम पहुंची।

13 साल बाद भी अभोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधूरा

भदोही। राजनीतिक उपेक्षा और स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के कारण 13 साल बाद भी अभोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। 2010 में इसका शिलान्यास तत्कालीन सांसद व मंत्री रंगनाथ मिश्र ने किया था। एक तरफ शासन की ओर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का दावा किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ राजनीतक उपेक्षा और विभागीय उदासीनता प्रयासों पर पानी फेरने का कार्य कर रही है। जिसका जीता जागता उदाहरण अभोली में निमार्णाधीन सीएचसी है। बीते 13 सालों से यह सीएचसी पूरी तरह से तैयार नहीं हो सकी है। इस बीच कई सरकारें आई ओर चली गई, लेकिन सीएचसी का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। 2010 में तत्कालीन बसपा सरकार में जिले के सांसद व मंत्री रंगनाथ मिश्र के प्रयासों से अभोली ब्लॉक में तीन करोड़ 25 लाख की लागत से सीएचसी का निर्माण शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि 30 बेड के इस सीएचसी का 2014 तक निर्माण कार्य चला। इसके बाद अचानक कार्यदायी संस्था काम बीच में ही छोड़ कर चली गई। जिसके बाद से ही काम ठप है। इस ओर न तो विभागीय अधिकारियों का ध्यान है और न ही जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों का। अभोली सीएचसी का निर्माण न होने से 25 से 30 गांवों की हजारों आबादी प्रभावित होती है। इन गांवों में अगर कोई बीमार होता है तो या तो वह गांव में मौजूद छोटे चिकित्सकों को दिखाते हैं या फिर निजी चिकित्सालयों पर निर्भर होते हैं।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से राजमिस्त्री झुलसा

चंदौली। धीना थाना क्षेत्र के आलमखातोपुर गांव स्थित एक मकान में बृहस्पतिवार को कार्य कर रहा राजमिस्त्री घर के ऊपर गुजरे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से झुलस गया। गृहस्वामी ने आनन-फानन में फोन कर आपूर्ति बंद कराई और राजमिस्त्री को निजी अस्पताल में भर्ती कराया।गांव निवासी शहाबुद्दीन के मकान पर बिजली का काम करते समय ओदरा गांव निवासी राजमिस्त्री जीउत बिंद (38) घर की छत पर चढ़कर कार्य करने का जुगाड़ बना रहा था।